Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्या:-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 208
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00
लखनऊ-बुधवार,26 नवम्बर 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 पशु चिकित्सकों से 20 लाख रुपये मांगने में फंसे अपर निदेशक 4

केवल ही मैन नहीं थे धर्मेन्द्र 5 मैं एक कैंसर सर्वाइवर हूं, नैचुरोपैथी का समर्थन

धर्म ध्वजारोहण कर बोले पीएम

ये ध्वज सदियों के सपने साकार होने का प्रतीक

विशेष विमान से दिल्ली के लिए रवाना हुए पीएम

मानसिक गुलामी ने राम को भी काल्पनिक बता दिया

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को यहां भगवान राम की जन्मभूमि की महिमा का बखान करते हुए कहा कि अयोध्या तब मयार्दा का केन्द्र थी और अब यह विकसित भारत का मेरुदंड बनकर उभर रही है। श्री राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण के बाद मोदी ने अपने संबोधन में कहा, अयोध्या तब मयार्दा का केंद्र थी और अब यह विकसित भारत का मेरुदंड बनकर उभर रही है। भविष्य के अयोध्या में पौराणिकता और नूतनता का संगम होगा। सरयू की अमृत धारा, विकास की धारा एक साथ बहेगी। यहां आध्यात्मिकता और विकास दोनों का संगम दिखेगा। उन्होंने कहा, अयोध्या धाम में रामलला का मंदिर परिसर और उसे संवारने का कार्य लगातार जारी है। अयोध्या फिर से वह नगरी बन रही है जो दुनिया के लिए उदाहरण बनेगी। प्रधानमंत्री ने कहा, त्रेता युग ने मानवता को नीति दी और 21वीं सदी की अयोध्या मानवता को विकास का नया मॉडल दे रही है। उन्होंने अयोध्या में विकास की विभिन्न योजनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि राम पथ, भक्ति पथ और जन्मभूमि पथ से नयी अयोध्या के दर्शन होते हैं। मोदी ने कहा कि अयोध्या में भव्य हवाई अड्डा, शानदार रेलवे स्टेशन, वंदे भारत-अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेन इसे देश से जोड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या वासियों के जीवन में समृद्धि आए, इसके लिए निरंतर काम चल रहा है। वर्ष 2024 में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, जबसे प्राण प्रतिष्ठा हुई तबसे 45 करोड़ श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आ चुके हैं। इससे अयोध्या और आसपास के लोगों में आर्थिक परिवर्तन आया है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में अयोध्या के पिछड़ेपन की चर्चा करते हुए कहा कि कभी अयोध्या विकास के पैमाने पर बहुत पीछे थी, आज अयोध्या राज्य के अग्रणी शहरों में से एक है। 10 वर्षों में मानसिक गुलामी से मुक्ति दिलाकर रहेंगे- पीएम पीएम ने अपने संबोधन में कहा कि धर्म ध्वजा पर कोविदार वृक्ष बना है। जब भरत अपनी सेना के साथ चित्रकूट पहुंचे, तब लक्ष्मण ने दूर से ही अयोध्या की सेना को पहचान लिया। इसका वर्णन वाल्मीकि जी ने किया है। लक्ष्मण कहते हैं कि सामने जो ध्वज दिख रहा है, वह अयोध्या का धर्म ध्वज है, जिस पर कोविदार वृक्ष बना है। यह वृक्ष अपने को याद दिलाता है कि जब हम इसे भूलते हैं, तब अपनी पहचान खो देते हैं।

जहरीली हवा से निकल रहा दिल्ली का दम

इथियोपिया से उठे राख के गुबार को लेकर भी चिंताएं

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को घनी धुंध छाई रही और वायु गुणवत्ता बेहद खराब बनी रही। इस बीच आशंका जताई जा रही है कि इथियोपिया में ज्वालामुखी फटने के बाद उठा राख का गुबार क्षेत्र में प्रदूषण को और बढ़ा सकता है। इथियोपिया के अफार क्षेत्र में स्थित ढाल-ज्वालामुखी हायली गुब्बी रविवार को फट गया, जिससे राख का गुबार करीब 14 किलोमीटर (45,000 फुट) की ऊंचाई तक गया और लाल सागर की ओर पूर्व दिशा में फैलने लगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार ये राख के गुबार चीन की ओर बढ़ रहे हैं और मंगलवार शाम साढ़े सात बजे तक भारत से दूर चले जाएंगे। विभाग ने बताया कि पूर्वानुमान मॉडल के मुताबिक मंगलवार को गुजरात, दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा पर राख का कुछ प्रभाव देखा जा सकता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी सुबह की वायु गुणवत्ता रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) मंगलवार को 360 रहा, जो बेहद खराब श्रेणी में आता है। इससे पहले सोमवार को यह 382 दर्ज किया गया था। सीपीसीबी द्वारा विकसित समीर ऐप के अनुसार, रोहिणी निगरानी केन्द्र में वायु गुणवत्ता 416 दर्ज की गई जो गंभीर की श्रेणी में आती है। अगले कुछ दिनों तक हवा की गुणवत्ता के बेहद खराब श्रेणी में बने रहने का अनुमान है। सीपीसीबी के अनुसार एक्यूआई का स्तर 0 से 50 अच्छा, 51 से 100 संतोषजनक, 101 से 200 मध्यम, 201 से 300 खराब, 301 से 400 बेहद खराब और 401 से 500 गंभीर माना जाता है। मंगलवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान नौ डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो मौसम के औसत से 2.3 डिग्री कम है। अधिकतम तापमान करीब 27 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

सार संक्षेप

घुसपैठियों की लिस्ट दें या इस्तीफा दें, एसआईआर पर बोले इमरान मसूद

सहारनपुर। मोदी सरकार देश में लगातार घुसपैठियों का डर दिखा रही है। लेकिन आज तक सरकार ये नहीं बता पाई कि देश में कितने घुसपैठिए हैं, न उसने इस सवाल का जवाब दिया कि उससे कहां चूक हुई जो इतने घुसपैठिए आ गए। सरकार घुसपैठियों को हटाने के लिए ही एसआईआर भी करवा रही है। जिस पर अब कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा है कि अगर वे घुसपैठियों की लिस्ट नहीं दे सकते तो इस्तीफा दे दें। पीएम मोदी के श्री राम जन्मभूमि मंदिर के ऊपर धर्म ध्वज फहराने पर, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा, आस्था एक निजी मामला है और संविधान ने सभी को इसे मानने का अधिकार दिया है, इसलिए इसमें कोई दिक्कत नहीं है...एसआईआर पर उन्होंने कहा, वे घुसपैठिए कहां हैं और उनके नामों की सूची क्यों नहीं जारी की गई? अगर वे अभी भी गैर-कानूनी तरीके से घुस रहे हैं, तो सरकार को इस्तीफा दे देना चाहिए।

संस्कारधानी की सड़कों पर साधु-संतों की हुंकार,

जबलपुर। संस्कारधानी जबलपुर में साधु संत सड़कों पर उतर गए हैं। हिन्दू देवी देवताओं पर किताबों में लिखी आपत्तिजनक टिप्पणी के खिलाफ उनका आक्रोश फूट पड़ा है। संतो ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करके विरोध जताया है। महामंडलेश्वर अखिलेश्वरानंद गिरी ने कहा है कि मानस भवन में आयोजित कार्यक्रम में जो किताबें बिक रही थी जिनमें हिंदू देवी देवताओं का अपमान है। रामायण का भी अपमान किया गया है। वहां पर लगे बुक स्टाल में गलत साहित्य बेचा जा रहा था।

राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण 140 करोड़ भारतीयों की आस्था

सम्मान और आत्म-गौरव का प्रतीक: योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अयोध्या में राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण को एक नए युग की शुरूआत बताया। उन्होंने इस कार्यक्रम में मौजूद रहने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत तथा उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का धन्यवाद किया। आगंतुकों को संबोधित करते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि भगवान राम का भव्य मंदिर 140 करोड़ भारतीयों की आस्था, सम्मान और आत्म-गौरव का प्रतीक है। उन्होंने इसके निर्माण में योगदान देने वाले सभी कर्मयोगियों का दिल से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह दिन उन संतों, योद्धाओं और राम भक्तों की अटूट भक्ति को समर्पित है जिन्होंने इस आंदोलन और लंबे संघर्ष के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया, जिसका नतीजा मंदिर के निर्माण के रूप में सामने आया। आदित्यनाथ ने कहा कि जब 2014 में प्रधानमंत्री के रूप में मोदी ने देश का नेतृत्व संभाला था, तो लाखों लोगों के दिलों में संकल्प और विश्वास का सूरज जगा। उन्होंने कहा, आज, वह संकल्प इस भव्य राम मंदिर के रूप में सभी भारतीयों और भक्तों के सामने पूरा हुआ है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के ऊपर फहरा रहा ध्वज सच्चाई, न्याय, गरिमा और राष्ट्रीय धर्म का प्रतीक है। आदित्यनाथ ने कहा, यह एक विकसित भारत के दृष्टिकोण को भी दिखाता है, क्योंकि संकल्प का कोई विकल्प नहीं है, और पिछले 11 सालों में हम सभी ने एक बदलते भारत को देखा है। हम एक ऐसा भारत देख रहे हैं जहां विरासत और विकास पूरे तालमेल के साथ मौजूद हैं, जो देश को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। उन्होंने राम मंदिर आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि अटूट विश्वास बना रहा, और जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेतृत्व में संघर्ष शुरू हुआ, तो पूरे आंदोलन में एक ही संकल्प गूंजा रू रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे लाठी-गोली खाएंगे, पर मंदिर वहीं बनाएंगे। आदित्यनाथ ने कहा कि एक समय था जब अयोध्या को नजरअंदाज किया जाता था और यहां अव्यवस्था थी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, यह अब वैश्विक आध्यात्मिक राजधानी में बदल गया है।

संविधान पूरी तरह से लागू हो जाए, तो रामभद्राचार्य जेल में होंगे: उदित राज

नई दिल्ली। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने देश से जातिगत व्यवस्था को खत्म करने की वकालत की है, लेकिन इस पर कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। उदित राज का कहना है कि अगर आज संविधान पूरी तरह से लागू हो जाए, तो रामभद्राचार्य जेल के अंदर होंगे। जगद्गुरु रामभद्राचार्य से जुड़े सवाल पर कांग्रेस नेता उदित राज ने बातचीत में कहा, संविधान ही जगद्गुरु रामभद्राचार्य का इलाज है। अगर आज संविधान पूरी तरह से लागू हो जाए, तो रामभद्राचार्य जेल के अंदर होंगे। इस पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि रामभद्राचार्य को केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री मोदी के सामने अपने विचार रखने चाहिए। उन्होंने कहा, दो-तिहाई बहुमत से जीतकर संसद में आओ और सरकार बनाकर कानून बदल लें या आपको लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी आपकी बात सुनेंगे, क्योंकि आप उनके ग्रुप का हिस्सा हैं, फिर आप अपने मंत्रियों से रिजर्वेशन हटाने के लिए कह सकते हैं? कांग्रेस नेता पप्पू यादव ने भी रामभद्राचार्य की टिप्पणी पर जवाब दिया। उन्होंने कहा, मैं शंकराचार्य से अनुरोध करूंगा कि शंकराचार्यों में दलित, एससी और एसटी को शामिल करें और फिर आरक्षण को खत्म करें। पप्पू यादव ने यह भी कहा कि ऐसे लोगों (रामभद्राचार्य) का इलाज अंबेडकरवादी विचारों से होगा।कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने कहा, राम भद्राचार्य जैसे लोगों के ऐसे बयान निंदनीय हैं। धार्मिक लोगों को राजनीति में दखल नहीं देना चाहिए। जो लोग भारत की सनातन संस्कृति को खत्म करने पर तुले हुए हैं, जो ब्राह्मणों में भी फूट डाल रहे हैं और कई ब्राह्मण समुदायों को नीचा बता रहे हैं, हमें ऐसे लोगों को जवाब देना जरूरी नहीं लगता।

बिहार में नई सरकार की पहली कैबिनेट बैठक

6 प्रस्तावों को मिली मंजूरी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद नीतीश कुमार के नेतृत्व में बनी नई सरकार के पहले कैबिनेट की बैठक में कुल छह प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई इस बैठक में सभी मंत्रियों ने हिस्सा लिया। बिहार कैबिनेट की बैठक में राज्य में सुनियोजित एवं गुणवत्ता युक्त शहरी विकास के लिए 11 नए सैटेलाइट टाउनशिप या ग्रीनफील्ड टाउनशिप के विकास के सैद्धांतिक सहमति तथा प्रस्ताव तैयार करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इनमें नौ प्रमंडलीय मुख्यालय के अलावा सीतामढ़ी और सोनपुर को शामिल किया गया है।बैठक

में बिहार को पूर्वी भारत का नया टेक हब के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से डिफेंस कॉरिडोर, सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग पार्क, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स, मेगा टेक सिटी और फिनटेक सिटी की स्थापना का निर्णय लिया गया है। इसके तहत मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा। इसमें विशेषज्ञों को परामर्श के रूप में शामिल किया जाएगा। समिति छह महीने के अंदर अपनी रिपोर्ट देगी। इसके अलावा, कैबिनेट की बैठक में राज्य में नए चीनी मिलों की स्थापना एवं पुराने बंद पड़े चीनी मिलों के पुनरुद्धार से संबंधित नीति निर्धारण और कार्य योजना के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति के गठन करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी गई है।

बिहार में बड़ा हादसा:

शेखपुरा में ट्रक और टेम्पो की भिड़ंत में 6 लोगों की मौत, आठ घायल

शेखपुरा/पटना। बिहार के शेखपुरा जिले में मंगलवार दोपहर हुए एक भीषण सड़क हादसे में टेम्पो सवार छह यात्रियों की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि घायलों में चार की स्थिति गंभीर बताई गई है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए पावापुरी स्थित वर्द्धमान मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। शेखपुरा के यातायात थाना के थानाध्यक्ष सदाशिव ने बताया कि हादसा शेखपुरा-जमुई राष्ट्रीय राजमार्ग 333-ए पर मनियांडा मोड़ के पास दोपहर करीब एक बजे हुआ। उन्होंने कहा कि तेज गति से आ रहे एक ट्रक ने विपरीत दिशा से आ रहे टेम्पो को सीधी टक्कर मार दी जिससे टेम्पो पर सवार सभी 14 लोग घायल हो गए।

घायलों को तत्काल शेखपुरा सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने पांच लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक अन्य की मौत उपचार के दौरान हो गई। मृतकों की पहचान बेंगुचा गांव (थाना करंडे) निवासी राहुल कुमार, आशा देवी, सुरती देवी, निशा कुमारी, राजकुमार साव और महेश कुमार के रूप में की गई है। मृतकों में निशा कुमारी की उम्र लगभग 10 वर्ष है, जबकि अन्य की उम्र 25 से 45 वर्ष के बीच बताई गई है। गंभीर रूप से घायल चार लोगों को वर्द्धमान मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर किया गया है जिनमें टेम्पो चालक सुमन कुमार तथा यात्री दीपक कुमार, सुषमा देवी और प्रियंका कुमारी शामिल हैं। बाकी चार घायलों का उपचार सदर अस्पताल में जारी है।पुलिस के अनुसार, हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। बताया गया कि टेम्पो सवार सभी यात्री चेवाड़ा प्रखंड के चेवाड़ा और करंडे थाना क्षेत्रों के विभिन्न गांवों से बाजार करने शेखपुरा पहुंचे थे। पुलिस ट्रक चालक की तलाश में जुटी है।

श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी का 350वां शहीदी दिवस, खरगे-राहुल ने दी श्रद्धांजलि

नईदिल्ली। श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस पर कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने उन्हें याद किया। हिंद की चादर कहे जाने वाले नौवें सिख गुरु के बलिदान और मानवीय मूल्यों की रक्षा में उनके सर्वोच्च त्याग को याद करते हुए नेताओं ने अपने संदेश साझा किए। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, हार और जीत आपकी सोच पर निर्भर करती है, मान लें तो हार, ठान लें तो जीत। मानवीय मूल्यों, समानता और सिद्धांतों की रक्षा हेतु अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले सिख धर्म के नौवें गुरु, हिंद की चादर धन-धन श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लिखा, ष्सिख धर्म के नौवें गुरु, हिंद की चादर श्री गुरु तेग बहादुर की शहीदी दिवस पर उन्हें सादर नमन। उनके आदर्श, मूल्य, त्याग और

बलिदान मानवता के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेंगे। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने लिखा, सिख धर्म के नौवें गुरु श्री तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस पर उन्हें सादर नमन। गुरु तेग बहादुर जी ने धर्म, मानवता, सेवा, त्याग, प्रेम और एकता का प्रकाश फैलाकर विश्व को रास्ता दिखाया। उनके सबक सदैव हम सबका मार्गदर्शन करेंगे। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा, हम गुरु तेग बहादुर जी को उनके शहीदी दिवस पर अपनी विनम्र श्रद्धांजलि देते हैं। आजादी और इंसानियत के लिए उनका सबसे बड़ा बलिदान और उनकी हमेशा रहने वाली शिक्षाएं हमारे लाखों सिख भाइयों और बहनों और कई और लोगों के लिए एक रास्ता दिखाती हैं। आइए, अन्याय के खिलाफ खड़े होने और एकता और इंसानियत के मूल्यों को बनाए रखने के लिए उनके नक्शेकदम पर चलें। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने एक्स पोस्ट में लिखा, सिख धर्म के नौवें गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि। उनका बलिदान सदा सत्य की रक्षा के लिए सर्वस्व न्योछावर करने की प्रेरणा देता रहेगा।

भूपेश बघेल ने राज्य सरकार, मुख्य सचिव और निर्वाचन आयुक्तों पर लगाए गंभीर आरोप

एसआईआर के बहाने काट रहे हैं नाम

रायपुर। छत्तीसगढ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज राज्य सरकार, राज्य के मुख्य सचिव, केंद्र और राज्य के निर्वाचन आयुक्तों के खिलाफ जमकर हमला बोला। दरअसल राज्य के निर्वाचन आयुक्त ने एक्स के जरिए यह बताया था कि राज्य भर के 80 मतदान केंद्रों में 100 प्रतिशत इपिक फॉर्म डिजिटिलाइजेशन का कार्य पूरा कर लिया गया है। इसके जवाब में पूर्व मुख्यमंत्री ने निर्वाचन आयुक्त से उन 80 मतदान केंद्रों के नाम सार्वजनिक करने की मांग की थी,जहां 100 प्रतिशत एसआईआर कर लिया गया है। यह मांग उन्होंने 24 नवम्बर को आयोग के एक्स पोस्ट किए जाने के कुछ घंटे बाद की थी, तथा आज मंगलवार को उन्होंने राज्य के बहुत से मुद्दों को लेकर एक प्रेस वार्ता की, इस प्रेस वार्ता के केंद्र में राज्य निर्वाचन आयोग ही था।पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एसआईआर, धान की खरीद और घुसपैठिए जैसे मुद्दों पर पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए। कांग्रेस के विधायक जनक ध्रुव से मिली शिकायत के मुताबिक उनके विधानसभा क्षेत्र में एक दिन में बमुश्किल 8 लोगों का एसआईआर सम्भव हो पा रहा है। ऐसे ही फीड बैक के आधार और खुद की विधानसभा के इलाके के निजी अनुभवों के आधार पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य निर्वाचन आयुक्त को आड़े हाथों लिया है। इसी तरह प्रदेश अध्यक्ष किरण देव के घेराव को लेकर भी भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ सरकार की आलोचना की है, कथित तौर पर सरकार के एक फैसले के विरोध में सोमवार को स्थानीय व्यापारियों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का घेराव कर दिया था, कांग्रेस नेता के आरोपों के मुताबिक, व्यापारी वर्ग भाजपा के कोर वोटर्स और समर्थक हैं व्यापारी भाजपा के खिलाफ खुलकर इस तरह कभी नहीं आते थे, लेकिन हालिया लिए गए फैसले की वजह से दुर्ग में व्यापारियों ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का घेराव कर दिया।पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि राज्य के मुख्य सचिव सालों तक छत्तीसगढ़ में नहीं रहे हैं, इसीलिए उन्हें पता ही नहीं है कि राज्य में किसानों की संख्या बढ़ी है तथा धान की पैदावार भी बेहद बढ़ी है, मेरा बेटा किसानी करता था, उसे जेल भेज दिया गया है, इसीलिए इन दिनों मैं किसानी कर रहा हूँ, मुख्य सचिव को प्रेस वार्ता के दौरान ही आमंत्रित कर रहा हूँ आएं मेरे खेतों पर और देख लें कि एक एकड़ में 40 क्विंटल तक की पैदावार सम्भव है।राज्य के किसान एक एकड़ में कम से कम 27 से 30 क्विंटल तक धान की पैदावार कर ले रहे हैं, लेकिन,सरकार प्रति एकड़ सिर्फ 21 क्विंटल धान समर्थन मूल्य पर खरीद रही है! राज्य सरकार,राज्य के मुख्य सचिव और निर्वाचन आयुक्त के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त पर भी आरोपों की झड़ी लगाई। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर के बहाने ये किसी का भी नाम काट सकते हैं, साल 2003 के बाद घर पर बहू आईं हैं कायदे से सिर्फ उनका नाम जोड़े जाने की जरूरत है, लेकिन घर के सभी लोगों के लिए पेपर्स दिए गए हैं यानी मुझे और मेरे परिवार के सभी लोगों को फिर से मतदाता होने के लिए सारी प्रक्रियाओं को पूरा करना होगा।

मंत्र भारत

पूर्वांचल

लखनऊ-बुधवार ,26 नवम्बर 2025

बैठक को सम्बोधित करते हुए महासचिव/नरसा पंकज कुमार सिंह

गोरखपुर, : पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ के तत्वावधान में 69वाँ अखिल भारतीय रेलवे (पुरूष) वॉलीबाल चौम्पियनशिप-2025 का आयोजन सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में 26 नवम्बर से 02 दिसम्बर, 2025 तक किया जायेगा। प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु सभी टीमें गोरखपुर पहुँच चुकी हैं। 26 नवम्बर, 2025 को अपराह्न 03.00 बजे प्रतियोगिता का शुभारम्भ पूर्वोत्तर रेलवे के अपर महाप्रबंधक श्री विनोद कुमार शुक्ल करेंगे। 25 नवम्बर,2025 को महासचिव/नरसा एवं मुख्य जनसमपर्क अधिकारी, पूर्वोत्तर रेलवे श्री पंकज कुमार सिंह की अध्यक्षता में सहायक क्रीड़ा अधिकारी श्री चन्द्र विजय सिंह, देश भर से आये सभी टीमों के कोच, ऑफिसियल्स, रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड, नई दिल्ली के ऑफिसियल्स के साथ बैठक आयोजित की गई बैठक में प्रतियोगिता के नियमों, टीमों के पूल निर्धारण, ग्राउण्ड की तैयारी आदि पर विचार-विमर्श किया गया। इस चौम्पियनशिप में इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे, उत्तर रेलवे, दक्षिण पश्चिम रेलवे, बनारस लोकोमोटिव वर्क्स, दक्षिण रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, रेलवे बोर्ड, दक्षिण पूर्व रेलवे, पूर्व रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर पश्चिम रेलवे, मध्य रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे, पूर्वी तटीय रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे तथा मेजबान पूर्वोत्तर रेलवे सहित कुल 18 टीमें भाग ले रही हैं। राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय तथा अर्जुन पुरस्कार विजेता स्तर के लगभग 300 खिलाड़ी, निर्णायक एवं अधिकारी इन टीमों की ओर से भाग लेंगे। इस चौम्पियनशिप में अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी असबल राय, आगा मुथु, अभिलाष चौधरी, रोहित सिंह, विपुल, पी.सी.ज्योतिष तथा अर्जुन पुरस्कार विजेता कोच कपिल देव सहित अनेक राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भाग लेंगे। चौम्पियनशिप के सफल आयोजन हेतु सहायक क्रीड़ा अधिकारी श्री चन्द्र विजय सिंह के नेतृत्व में वरिष्ठ वॉलीबाल खिलाड़ी सुधीर सिंह, संकटा सिंह, अतुल सिंह ग्राउण्ड प्रिपरेशन का कार्य कुशलतापूर्वक करा रहे है। पूर्वोत्तर रेलवे वॉलीबाल टीम के कोच विनोद सिंह, रमेश राय एवं अजय राय तथा टीम मैनेजर भँवर सिंह के कुशल मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पूर्वोत्तर रेलवे के खिलाड़ी शिवेन्द्र विक्रम सिंह, रॉनी, रोहित सिंह, सौरभ सिंह, नवीन बालियान, अभिलाष चौधरी, सोनु सिंह, मुकुल, युवराज, विकास, नसीफ, गुरू इस वॉलीबाल चौम्पियनशिप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने हेतु कठिन परिश्रम कर रहे है। चौम्पियनशिप हेतु वॉलीबाल ग्राउण्ड को दिन एवं रात्रि में खेले जाने हेतु तैयार किया गया, जहाँ प्रकाश की उत्तम व्यवस्था की गई है। इस चौम्पियनशिप के आयोजन से पूर्वी उत्तर प्रदेश के वॉलीबॉल प्रेमियों को उच्चस्तरीय वॉलीबॉल प्रतिस्पर्धा देखने का अवसर मिलेगा तथा यहाँ के उदीयमान खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन से काफी कुछ सीखने को मिलेगा।

2025 को 01 फेरे हेतु निम्नवत किया जायेगा।

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 04552/04551 सहारनपुर-बनारस-सहारनपुर अनारक्षित विशेष गाड़ी का संचलन सहारनपुर से 25 नवम्बर, 2025 को तथा बनारस से 28 नवम्बर, 2025 को 01 फेरे हेतु निम्नवत किया जायेगा। 04552 सहारनपुर-बनारस अनारक्षित विशेष गाड़ी 25 नवम्बर, 2025 को सहारनपुर से 14.00 बजे प्रस्थान कर मुरादाबाद से 18.00 बजे, बरेली से 19.25 बजे, शाहजहाँपुर से 20.45 बजे, हरदोई से 21.37 बजे, आलमनगर से 23.45 बजे दूसरे दिन रायबरेली से 01.45 बजे, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ से 03.30 बजे तथा जंघई से 04.22 बजे छूटकर बनारस 07.00 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 04551 बनारस-सहारनपुर अनारक्षित विशेष गाड़ी 28 नवम्बर, 2025 को बनारस से 14.00 बजे प्रस्थान कर जंघई से 16.25 बजे, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ से 17.35 बजे, रायबरेली से 19.10 बजे, आलमनगर से 21.45 बजे, हरदोई से 23.05 बजे दूसरे दिन शाहजहाँपुर से 00.10 बजे, बरेली से 01.20 बजे तथा मुरादाबाद से 03.10 बजे छूटकर सहारनपुर 07.00 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 12 तथा एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 18 अनारक्षित कोच लगाये जायेंगे।

गुरु तेग बहादुर साहिब का 350वां शहीदी दिवस पर विशेष अरदास

उर्ई/जालौन। सिक्खों के नौवें गुरु, धर्म एवं मानवता की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें शहीदी दिवस पर मंगलवार को उर्ई में श्रद्धा और सम्मान से भरे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। शहर के घंटाघर स्थित गुरुद्वारे में सुबह से ही संगत जुटनी शुरू हो गई, जहां विशेष दीवान, शबद-कीर्तन और अरदास का आयोजन किया गया। गुरुद्वारे में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत गुरु ग्रंथ साहिब जी के सम्मुख कीर्तन दरबार से हुई, जिसमें रागी जत्थों ने तेग बहादुर सिमरिए, सहित कई शबद प्रस्तुत किए। शहीदी दिवस पर संगत ने गुरु तेग बहादुर साहिब द्वारा दिए गए बलिदान को श्रद्धापूर्वक याद किया। उपस्थित लोगों को बताया गया कि गुरु साहिब ने कश्मीर के हिंदुओं, पंडितों और आम लोगों की धार्मिक स्वतंत्रता बचाने के लिए दिल्ली में बलिदान दिया था। उनका जीवन साहस, सत्य, करुणा और मानवता की रक्षा का प्रतीक है। इस दौरान गुरुद्वारा के संरक्षक हरजीत सिंह ने गुरुद्वारे में संगत के लिए गुरुप्रसाद और लंगर की व्यवस्था भी की, जिसमें लोगों ने भाग लिया। सिख समुदाय के लोगों ने दीप प्रज्ज्वलित कर और अरदास कर देश में शांति, सौहार्द और भाईचारे की कामना की। कार्यक्रम में स्थानीय सिख समुदाय, समाजसेवी, व्यापारी तथा विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हुए। गुरुद्वारा प्रबंधन समिति ने बताया कि गुरु तेग बहादुर साहिब के शहीदी दिवस पर प्रतिवर्ष इसी तरह श्रद्धांजलि सभा और सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि उनके आदर्श नई पीढ़ी तक पहुंचते रहें।

खड़े डंपर से टकराकर दूसरे डंपर चालक की मौत,केबिन में फंसा शव

उर्ई/जालौन। जालौन के नेशनल हाईवे पर सोमवार देर रात एक सड़क हादसे में लखनऊ निवासी डंपर चालक की मौत हो गई। यह हादसा उर्ई कोतवाली क्षेत्र के बड़ागांव के बाहर हुआ, जब एक गलत दिशा में खड़े डंपर से दूसरे डंपर की जोरदार टक्कर हो गई। मृतक चालक की पहचान लखनऊ के थाना माल क्षेत्र के ग्राम लालईखेड़ा निवासी 36 वर्षीय सुरेश कुमार के रूप में हुई है। सुरेश झांसी से गिट्टी लेकर लखनऊ की ओर जा रहा था। रात करीब 12 बजे उसका डंपर हाईवे से गुजर रहा था, तभी सामने गलत दिशा में खड़े डंपर से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि सुरेश के डंपर का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और वह केबिन में बुरी तरह फंस गया। राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद सुरेश के शव को डंपर से बाहर निकाला। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हादसे की सूचना मृतक के परिजनों को दी गई, जिसके बाद घर में मातम छा गया। मृतक के भाई राम नरेश ने बताया कि सुरेश रोज की तरह झांसी से माल लेकर लौट रहा था। उन्होंने गलत दिशा में खड़े लापरवाह डंपर चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और दोषी वाहन व चालक के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने यह भी कहा कि हाईवे पर रात के समय भारी वाहनों के गलत दिशा में खड़े होने से लगातार हादसे हो रहे हैं। ऐसे में पुलिस ने नियमों के पालन के लिए विशेष अभियान चलाने की बात कही है।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव,पत्नी से विवाद के बाद 9 दिन से था लापता

उर्ई/जालौन। जालौन के कोटरा थाना क्षेत्र के बरसार गांव में मंगलवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव के बाहर जंगल में एक 40 वर्षीय युवक का शव पेड़ से लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान बरसार निवासी मनीष खान पुत्र रमजानी के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और फील्ड यूनिट को बुलाकर साक्ष्य जुटाए। शव को नीचे उतारकर पंचायतनामा भरने के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। मृतक के पिता रमजानी ने थाने पहुंचकर घटना की सूचना दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि मनीष 16 नवंबर की रात लगभग 9 से 10 बजे के बीच पत्नी से विवाद होने के बाद घर से निकल गया था।

खोदी गई टीएमसी विधायक के लिए कब्र,अखिल भारत हिंदू महासभा ने किया एलान- नींव रखी तो यहीं गाड़ेंगे

आगरा। टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर के बयान के बाद आगरा में अखिल भारत हिंदू महासभा ने एक कब्र खोदी है। ऐलान किया है कि अगर कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक कहीं भी बाबरी मस्जिद के लिए नींव खोदी गई तो वे टीएमसी विधायक को इसी कब्र में गाड़ेंगे। साथ ही विधायक की गर्दन काटने वाले को एक करोड़ रुपए और सोने की चार चूड़ी देने का भी ऐलान किया है।

टीएमसी विधायक ने मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में 6 दिसंबर को बाबरी मस्जिद की नींव रखने की घोषणा की। घोषणा की कि इसे बनने में तीन साल लगेंगे। इस घोषणा के बाद पूरे देश भर में राजनीतिक बवाल खड़ा हो गया है। इस घोषणा के विरोध में आगरा में अखिल भारत हिंदू महासभा ने भी घोषणा कर दी है। यमुना किनारे एक कब्र खोदी। ऐलान किया कि 6 दिसंबर को अगर बाबरी मस्जिद की नींव रखी गई तो सात दिसंबर को इसी कब्र में वे टीएमसी विधायक को गाड़ेंगे। महासभा की जिलाध्यक्ष मीरा राठौर ने कहा परमहंस आचार्य ने टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर का सिर काटने वाले को एक करोड़ रुपए देने का ऐलान किया है। इसके साथ ही वे अपनी सोने की चार चूड़िया भी देंगी। मीरा राठौर का कहना है कि मैंने पहले ही कब्र खुदवा दी है। पश्चिम बंगाल की भरतपुर विधानसभा सीट से टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर ने 6 दिसंबर को मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की नींव रखने का ऐलान किया। कबीर ने कहा कि कार्यक्रम में करीब दो लाख लोग शामिल होंगे, जिनमें 400 प्रमुख हस्तियां मंच पर उपस्थित रहेंगी। उन्होंने बताया कि इस मस्जिद के निर्माण में तीन साल का समय लगेगा और इस कार्यक्रम में विभिन्न मुस्लिम नेता भाग लेंगे। विधायक कबीर ने पिछले वर्ष (2024 में) भी इस मस्जिद के निर्माण की बात कही थी, और यह तारीख (6 दिसंबर) अयोध्या में विवादित ढांचा गिराए जाने की बरसी होने के कारण यह घोषणा विवादों में आ गई है।

अमुवि के सर सैयद एकेडमी में राजीव प्रकाश साहिर के उपन्यास आत्माओं के सराब पर चर्चा

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सर सैयद एकेडमी में खयाबान-ए-अदब, अलीगढ़ के तत्वावधान में लखनऊ के प्रख्यात फिक्शन राइटर और उपन्यासकार राजीव प्रकाश साहिर के उर्दू उपन्यास आत्माओं के सराब पर एक चर्चा का आयोजन किया गया। साहित्यिक आलोचकों और विद्वानों ने उपन्यास के कलात्मक और वैचारिक पहलुओं पर बोलते हुए कहा कि पाठक की रुचि आरंभ से अंत तक बनी रहती है, और यही इस उपन्यास की वास्तविक सफलता है। सत्र की अध्यक्षता करते हुए प्रो. शाफे किदवई, निदेशक, सर सैयद एकेडमी ने कहा कि यह एक नए अंदाज में लिखा गया उपन्यास है, जिसमें गोमती, गंगा और हाथी जैसे पात्र आधुनिक शहरी सभ्यता और विकास की खोखलापन, तथा प्रकृति के दोहन शोषण को उजागर करते हैं। प्रो. किदवई ने कहा कि यह उपन्यास मानवीय शोषण के सभी पहलुओं को सामने लाने के कारण विशिष्ट है। अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रो. तारिक छतारी ने कहा कि अभिव्यक्ति और विषय दोनों दृष्टियों से एक दुर्लभ उपन्यास उर्दू साहित्य में जुड़ा है। इसका केंद्रीय विषय भारत है और प्रत्येक पात्र किसी न किसी प्राकृतिक तत्व से संबद्ध दिखाया गया है। प्रो. आसिम सिद्दीकी ने कहा कि उपन्यास की सबसे बड़ी विशेषता इसकी लगातार पढ़ते जाने वाली प्रवृत्ति है, एक बार पढ़ना शुरू करें तो रुकने का मन नहीं करता। पात्र विविध और प्रतीकात्मक हैं, जो रूपकों के रूप में उभरते हैं। उपन्यास की यह पंक्ति जब इंसान प्रकृति को संवारने का जिम्मा ले लेता है, तो वह कितना क्रूर हो जाता है अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रो. गजनफर ने कहा कि उपन्यास का शीर्षक अत्यंत रोचक है। सिमटती गोमती नदी और गायब होते जंगल मूल्यों के ह्रास, संस्कृति के क्षरण और शोषण के प्रतीक हैं। लेखक ने अपने अवलोकनों, अनुभवों और भावनाओं को बिना किसी नीरसता के पाठक तक पहुँचाया है। साहिर की गद्य शैली में एक प्रकार की काव्यात्मक मिठास भी दिखाई देती है। इस अवसर पर बोलते हुए राजीव प्रकाश साहिर ने कहा कि उपन्यास में गोमती की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जिंदगी एक सराब है, और मेरे सभी पात्र सराब जो विभिन्न नामों के माध्यम से जीवन की जटिलताओं को उजागर करते हैं। उन्होंने कहा आगे कि मैंने एक मूर्ति गढ़ी हैउसे पूजा जाएगा या टुकड़ों में तोड़ा जाएगा यह इस संसार पर छोड़ दिया है, जो मौसमों में बँटा हुआ है। प्रो. सगीर अफरहीम ने उपन्यास के कलात्मक और वैचारिक पहलुओं की विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत की और पात्रों की मनोवैज्ञानिक परतों का विश्लेषण किया। उन्होंने उपन्यास को संरचना, विन्यास और प्रस्तुति तीनों दृष्टियों से उल्लेखनीय बताया। अपने प्रारंभिक वक्तव्य में डॉ. मुईद रशीदी ने राजीव प्रकाश साहिर का परिचय देते हुए आत्माओं के सराब का विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि उपन्यास सामाजिक संबंधों के विखंडन, पहचान और अस्तित्व के संकट, सामाजिक विरोधाभासों, वर्ग संघर्ष और जीवन की असमानताओं को अपने पात्रों के माध्यम से बेहद जीवंत रूप में प्रस्तुत करता है। डॉ. रशीदी ने ही कार्यक्रम का संचालन किया।

दो दिन से लापता बुजुर्ग का तालाब में शव मिला

बहराइच। जिले के नानपारा इलाके में दो दिन से लापता 55 वर्षीय वृद्ध इंदरपाल का शव सोमवार देर शाम एक तालाब में मिला। वह शनिवार को मछली बेचने के लिए घर से निकले थे, जिसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल रहा था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। नानपारा कोतवाली क्षेत्र के निवासी इंदरपाल (55) मछली बेचने का काम करते थे। शनिवार को वह अँगनू पुरवा चौराहे के पास स्थित तालाब के किनारे मछली बेचने गए थे। देर शाम तक घर वापस न लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। परिजनों को तालाब के किनारे इंदरपाल की साइकिल और मछली मिली, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद परिजनों ने पुलिस में गुमशुदगी की सूचना दर्ज कराई। स्थानीय ग्रामीण और परिजन लगातार उनकी तलाश कर रहे थे।

गुरु तेग बहादुर शहादत दिवस पर विशाल समागम, लंगर छका, अरदास सुनी

बहराइच। नगर स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में मंगलवार को सिखों के नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर जी के शहादत दिवस पर एक विशाल कीर्तन समागम का आयोजन किया गया। उन्हें हिंद की चादर के नाम से भी जाना जाता है। इस समागम में बहराइच, मटेरा, डीहवा, निहालसिंह पुरवा, गौरा, धनौली फखरपुर और पयागपुर सहित विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में संगत (श्रद्धालु) ने गुरुघर में माथा टेका और अपनी श्रद्धा अर्पित की। गुरुद्वारा अध्यक्ष मनदीप वालिया ने गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 24 नवंबर, 1675 को दिल्ली के चांदनी चौक में काजी के आदेश पर जल्लाद जलालुद्दीन ने तलवार से गुरु तेग बहादुर जी का शीश धड़ से अलग कर दिया था। गुरु जी ने दूसरों के धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया था। इसी कारण गुरु तेग बहादुर जी को ष्हिंद की चादरश (भारत की ढाल) कहा जाता है। उनके धड़ का अंतिम संस्कार भाई लखी शाह वंजारा ने अपने घर को जलाकर किया था। यह स्थान अब गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब के नाम से जाना जाता है। गुरु जी के शीश को भाई जैता (जो बाद में भाई जीवन सिंह कहलाए) उनके पुत्र गोबिंद राय के पास आनंदपुर साहिब ले गए। वहां उनका सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार किया गया। यह स्थान आज गुरुद्वारा शीश गंज साहिब के रूप में प्रसिद्ध है। गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान भारतीय इतिहास में एक अद्वितीय घटना मानी जाती है। यह बलिदान केवल सिख धर्म के लिए ही नहीं, बल्कि सनातन धर्म (विशेषकर कश्मीरी पंडितों) की रक्षा के लिए भी था। यह भारत की धर्मनिरपेक्ष और विविध संस्कृति को बचाने के लिए एक सिख गुरु द्वारा दिया गया सर्वोच्च बलिदान था। उनका बलिदान यह दशार्ता है कि सच्चा धर्म केवल अपने अनुयायियों तक सीमित नहीं होता, बल्कि सभी के धर्म की स्वतंत्रता की रक्षा करता है। गुरु जी की शहादत ने अत्याचारी मुगल शासन के विरुद्ध खड़े होने का साहस और प्रेरणा प्रदान की, जिससे पंजाब और पूरे उत्तर भारत में प्रतिरोध की भावना मजबूत हुई। गुरु तेग बहादुर जी की शहादत ने उनके पुत्र, गुरु गोबिंद सिंह जी, को खालसा पंथ की स्थापना (1699) और सिखों को एक जुझारू योद्धा समुदाय में संगठित करने के लिए प्रेरित किया।

युवक ने किया आत्महत्या का प्रयास,जहरीला पदार्थ खाया

बांदा। बबेरू तहसील के मरका गांव में मंगलवार दोपहर एक युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। परिजनों ने उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बबेरू में भर्ती कराया, जहां उसका प्राथमिक उपचार जारी है। युवक की पहचान राम लखन (33) पुत्र रामलाल के रूप में हुई है। यह घटना मंगलवार को दोपहर करीब 2 बजे हुई।अज्ञात कारणों के चलते राम लखन ने जहरीला पदार्थ का सेवन कर लिया। जैसे ही परिजनों को इसकी जानकारी मिली, उन्होंने एंबुलेंस की सहायता से उसे सीएचसी बबेरू पहुंचाया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों द्वारा उसका प्राथमिक उपचार किया जा रहा है। उसकी हालत पर नजर रखी जा रही है।

रन फॉर यूनिटी पैदल यात्रा निकली,सरदार पटेल जयंती पर कार्यकर्ताओं ने लिया भाग

बांदा। अतर्रा कस्बे में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में श्रन फॉर यूनिटीश पैदल यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकताओं, युवा मोर्चा के सदस्यों और आम नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। यात्रा का शुभारंभ नगर के मुख्य बाजार चौक से हुआ। यहां भाजपा पदाधिकारियों ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और एकता व राष्ट्र निर्माण का संकल्प लिया। यह यात्रा कस्बे के प्रमुख मार्गों से होते हुए बाईपास चौराहा, रामलीला मैदान और बस स्टैंड रोड से गुजरी। इस दौरान प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रहित से जुड़े नारे लगाए। कार्यक्रम के संयोजक ने बताया कि श्रन फॉर यूनिटीश का मुख्य उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करना और सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद दिलाना है। पैदल यात्रा के समापन पर एक सभा का आयोजन किया गया।

सड़क दुर्घटना में घायल की मौत, आरोपी पर मुकदमा दर्ज

बस्ती। पड़री गांव निवासी 60 वर्षीय राकेश पांडेय की सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। यह घटना बीते शुक्रवार को हल्लौर नगरा चौराहे पर हुई थी। परिजनों की तहरीर पर मुंडेरवा थाने में आरोपी बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। राकेश पांडेय शुक्रवार, 21 नवंबर को हल्लौर नगरा स्थित बैंक की शाखा से पैसे निकालने जा रहे थे। दोपहर करीब डेढ़ बजे सड़क पार करते समय बनकटी की ओर से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायल अवस्था में उन्हें एम्बुलेंस की मदद से मुंडेरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। हालत गंभीर होने के कारण बस्ती के चिकित्सकों ने उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया। परिजन उन्हें लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां सोमवार रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मंगलवार सुबह परिजन शव लेकर मुंडेरवा थाने पहुंचे और आरोपी चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने दिवंगत के बेटे आकाश पांडेय की तहरीर के आधार पर हल्लौर नगरा निवासी 16 वर्षीय गौरव पुत्र महेंद्र के खिलाफ बीएनएस की धारा 281/106(1) के तहत मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। राकेश पांडेय अपने पीछे पत्नी विदेश्वरी देवी, बेटे आकाश और सत्यम, तथा बेटी मुस्कान को छोड़ गए हैं।

दहेज के लिए बहू को प्रताड़ित कर घर से निकाला,पति समेत पांच लोगों पर केस दर्ज

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न का एक गंभीर मामला सामने आया है। विवाह के दो महीने बाद ही बहू को दहेज में कार न मिलने पर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर घर से निकाल दिया गया। पुलिस ने पति सहित पांच आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना मुड़वरा चिन्ता गांव की है, जहां 25 वर्षीय पीड़िता का विवाह 16 मई 2023 को अतुल त्रिपाठी से हुआ था। विदाई के समय पीड़िता के माता-पिता ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार 4 लाख 50 हजार रुपए नकद, एक अपाचे मोटरसाइकिल, सोने की चेन, अंगूठी सहित अन्य गृहस्थी का सामान दिया था। आरोप है कि ससुराल पहुंचते ही पति अतुल त्रिपाठी सहित अन्य ससुराल वालों ने दहेज में कार न मिलने की बात कहकर पीड़िता को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। पीड़िता के अनुसार, दहेज के लिए लगातार मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न जारी रहा। 16 जुलाई 2023 की सुबह करीब 8 बजे आरोपियों ने पीड़िता के साथ मारपीट की और उसे घर से बाहर निकाल दिया। उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई। काफी दिनों तक उत्पीड़न सहने के बाद पीड़िता ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई। उसके प्रार्थना पत्र के आधार पर वाल्टरगंज थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर आगे की विवेचना शुरू कर दी है।

बिजली विभाग ने निकाली जागरूकता रैली,बिल राहत योजना के लिए बांटे पंपलेट

बस्ती। जिले के हरैर्या नगर पंचायत में मंगलवार को विद्युत निगम ने एक जागरूकता रैली निकाली। यह रैली आगामी बिजली बिल राहत योजना के बारे में उपभोक्ताओं को जागरूक करने और उन्हें योजना का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। हरैर्या विद्युत वितरण खंड के एसडीओ दयानंद शर्मा के नेतृत्व में विद्युत कर्मियों ने बिजली घर से ढोल-नगाड़ों के साथ पूरे हरैर्या कस्बे में पैदल रैली निकाली। इस दौरान हर मोहल्ले में जाकर उपभोक्ताओं को योजना संबंधी पंपलेट वितरित किए गए और उनसे पंजीकरण कराकर लाभ उठाने की अपील की गई। हरैर्या के एक्सईएन अजय मौर्य और एसडीओ दयानंद शर्मा ने बताया कि बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए यह योजना एक दिसंबर से तीन चरणों में लागू हो रही है। पहला चरण 1 से 31 दिसंबर तक, दूसरा चरण 1 से 31 जनवरी तक और तीसरा चरण 1 से 28 फरवरी तक चलेगा। योजना के तीनों चरणों में ब्याज पर शत-प्रतिशत छूट प्रदान की जाएगी। जिन उपभोक्ताओं ने कभी बिल जमा नहीं किया है, उन्हें ब्याज के साथ मूलधन पर भी 25 प्रतिशत की विशेष छूट मिलेगी। इसके अतिरिक्त, जिन उपभोक्ताओं के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज है, उनके लिए 50 प्रतिशत तक की छूट का प्रावधान किया गया है। योजना में पंजीकरण के लिए उपभोक्ताओं को दो हजार रुपये जमा करने होंगे। एकमुश्त भुगतान करने वाले उपभोक्ताओं को पंजीकरण के बाद 30 दिन का समय मिलेगा। इस जागरूकता रैली में जेई संजीव कुमार, चंद्रिका प्रसाद वर्मा, लाइनमैन पिंटू सहित अन्य विद्युत कर्मी मौजूद रहे।

गरीब बेटी की शादी में समाजसेवी ने दिया सहयोग

बस्ती। रूधौली विधानसभा क्षेत्र में समाजसेवी मनोज कुमार चौधरी ने एक गरीब परिवार की बेटी के निकाह के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की है। पचारी कला गांव निवासी रमजान अली अपनी बेटी की शादी को लेकर आर्थिक तंगी और स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। रमजान अली अपनी बेटी के निकाह की तैयारियों को लेकर काफी चिंतित थे। आर्थिक परेशानियों के कारण उनका स्वास्थ्य भी लगातार बिगड़ रहा था। परिवार को शादी के खर्चों की चिंता सता रही थी। गांव के कुछ शुभचिंतकों ने जब यह जानकारी समाजसेवी मनोज कुमार चौधरी तक पहुंचाई, तो उन्होंने तुरंत संज्ञान लिया। चौधरी ने अपनी सेवा टीम को पीड़ित परिवार की मदद के लिए निर्देशित किया। मनोज चौधरी के निर्देश पर टीम के सदस्य गिरजाशंकर गोंड, अमित सिंह और संजय कुमार सहित अन्य लोग रमजान अली के घर पहुंचे। टीम ने परिवार को मनोज चौधरी द्वारा भेजी गई आर्थिक सहायता सौंपी।

कर्नाटक में भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र ने चैंपियन भारतीय टीम को किया सम्मानित, साझा किया वीडियो

बंगलूरू : भारतीय टीम ने कोलंबो के पी सारा ओवल में खेले गए फाइनल मुकाबले में नेपाल को सात विकेट से हराया था। इस टूर्नामेंट का आयोजन पहली बार हो रहा था और भारत इस वैश्विक टूर्नामेंट को जीतने में सफल रहा। भारतीय महिला दृष्टिबाधित टीम ने टी20 विश्व कप का खिताब जीत लिया है। जीत के बाद चैंपियन बेटियों का भारत में जोरदार स्वागत हुआ है। कर्नाटक में भाजपा अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने टी20 दृष्टिबाधित महिला विश्व कप 2025 जीतने वाली टीम इंडिया को बधाई और शुभकामनाएं दीं। कर्नाटक भाजपा ने इसका वीडियो भी साझा किया है। भारतीय टीम ने कोलंबो के पी सारा ओवल में खेले गए फाइनल मुकाबले में नेपाल को सात विकेट से हराया था। इस टूर्नामेंट का आयोजन पहली बार हो रहा था और भारत इस वैश्विक टूर्नामेंट को जीतने में सफल रहा। भारत ने नेपाल को पांच विकेट पर 114 रन पर रोक दिया था।

मोरारी बापू ने दिया था राम मंदिर में सबसे ज्यादा दान

गुजरात के हीरा कारोबारी ने दान किया था 101 किलो सोना

लखनऊ। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की वेबसाइट के अनुसार आध्यात्मिक गुरु मोरारी बापू ने राम मंदिर निर्माण के लिए 11.3 करोड़ रुपये दान दिए थे।यह दान राम मंदिर को दिया जाने वाला सबसे बड़ा दान था मोरारी बापू के अलावा अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में उनके अनुयायियों ने 8 करोड़ रुपये और दान दिया था इस तरह मोरारी बापू की कुल दान राशि 18.6 करोड़ रुपये हुई थी। राम मंदिर को दान के रूप में अब तक 5,500 करोड़ रुपये से भी ज्यादा मिल चुके हैं। राम मंदिर ट्रस्ट के अनुसार केवल जनवरी 2024 में ही राम भक्तों ने दो दिनों में 3.17 करोड़ रुपये दान किया था।सूरत के प्रसिद्ध हीरा कारोबारी दिलीप कुमार वी लक्षी और उनके परिवार ने राम मंदिर के लिए 101 किलो सोना दान किया था।मार्केट रेट के हिसाब से इस सोने की कीमत 68 करोड़ रुपये बताई जाती है। हीरा कारोबारी की तरफ से दान किए गए सोने का उपयोग मंदिर के दरवाजों, गर्भगृह, त्रिशूल, डमरू और पिलर्स की सजावट में किया गया है।राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल मुकेश अंबानी ने मंदिर ट्रस्ट को 2.51 करोड़ रुपये का दान दिया था।उनके परिवार ने व्यक्तिगत तौर पर अलग-अलग सेवाओं में योगदान किया था। राम मंदिर को देश के कई बड़े व्यापारियों और संगठनों ने दिल खोलकर दान दिया था। गुजरात के गोविंद भाई ढोकलिया ने 11 करोड़ रुपये का दान दिया था। सूरत के हीराकारोबारी गोविंद भाई ने भी राम मंदिर को 11 करोड़ रुपये का दान दिया था।पटना महावीर मंदिर की तरफ से भी राम मंदिर के लिए 10 करोड़ रुपये का दान आया था।ग्रीन लैब डायमंड कंपनी के मुकेश पटेल ने भी 11 करोड़ रुपये का डायमंड क्रॉउन राम मंदिर में दान किया। महेश कबूतरवाला ने भी राम मंदिर के लिए 5 करोड़ रुपये का दान दिया था। राम मंदिर ट्रस्ट के अनुसार 2022 में फंडिंग कैंपेन शुरू होने के बाद देशभर के लोगों ने भी राम मंदिर के लिए बढ़-चढ़कर दान किया था। फंडिंग कैंपेन के शुरू होने के पहले दिन ही देशभर से राम भक्तों ने मंदिर निर्माण के लिए 3 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि दान की थी।

3 साल की बच्ची के साथ रेप,शादी समारोह देखकर घुसा युवक

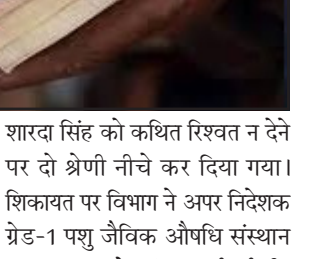

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के इटौंजा इलाके में एक युवक ने 3 साल की बच्ची के साथ रेप किया। युवक शादी समारोह में घुस गया था। वह बच्ची को दूसरी मंजिल पर उठा ले गया। वहीं उसका रेप किया। इसके बाद रोती हुई बच्ची को दूसरी मंजिल से नीचे फेंकने जा रहा था। इसी दौरान लोगों ने देख लिया। आरोपी को लोगों ने पकड़ लिया। युवक की पहचान इटौंजा थाना क्षेत्र के ही सीरगंज के संदीप के रूप में हुई। उसने पुलिस को बताया है कि उसने देखा कि गेस्टहाउस में शादी का कार्यक्रम है। वहीं घुस गया। एक बच्ची को बुलाकर दूसरी मंजिल में ले गया। रेप के बाद बच्ची को मारने की कोशिश भी की, लेकिन लोगों ने उसे पकड़ लिया। बाद में पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित परिवार रिश्तेदारी की शादी में आया था। एक रिश्तेदार ने बताया- आरोपी संदीप रास्ते से गुजर रहा था। उसकी गंदी नजर बच्ची पर पड़ी। वह गंदी नीयत से ही गेस्ट हाउस के अंदर घुसा। बच्ची को दूसरी मंजिल पर ले जाकर उसके साथ गलत किया। काफी देर तक जब बच्ची नजर नहीं आई तो लोगों ने ढूंढना शुरू किया। डीजे साउंड बंद करवा दिया गया। शादी में शामिल हुए कुछ लोगों को बच्ची की चीख सुनाई दी। वे लोग आवाज सुनते हुए दूसरी मंजिल पर पहुंचे। आरोपी बच्ची को नीचे फेंकने जा रहा था तभी लोगों ने आरोपी को लपक लिया। पुलिस को बुलाकर उसे सौंप दिया गया।

श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर के निर्माण के बाद प्रमुख शिवालयों के दर्शन करेंगे अखिलेश, लिया बड़ा संकल्प

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा सांसद अखिलेश यादव ने मंगलवार को इटावा में अपने पैतृक क्षेत्र में बन रहे भव्य श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर के कार्य प्रगति के बारे में बताया। इस दौरान उन्होंने एक धार्मिक संकल्प भी लिया कि मंदिर निर्माण का कार्य पूर्ण होने पर वह प्रमुख शिवालयों के दर्शन करेंगे। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए इटावा में अपने पैतृक क्षेत्र में बन रहे भव्य श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर के शीघ्र पूर्ण होने की जानकारी दी। अखिलेश ने लिखा, पूर्णता ही पूर्णता की ओर ले जाती है। ईश्वरीय प्रेरणा से इटावा में निमार्णाधीन श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर के पूर्ण होने पर अन्य मंदिरों के दर्शन का संकल्प भी पूर्ण करेंगे। आस्था जीवन को सकारात्मकता और सद्भाव से भरने वाली ऊर्जा का ही नाम है। दर्शन के लिए ईश्वरीय इच्छा ही मार्ग बनाती है, वही बुलाती है। सच तो ये है कि हम सब तो ईश्वर के बनाए मार्ग पर बस चलकर जाते हैं। आस्थावान रहें, सकारात्मक रहें!इस पोस्ट के जरिए अखिलेश ने संकेत दिया कि केदारेश्वर महादेव मंदिर के उद्घाटन के बाद वे देश के प्रमुख ज्योतिलिंगों और शिवालयों के दर्शन करेंगे। सूत्रों के मुताबिक इसमें केदारनाथ, सोमनाथ, महाकालेश्वर और विश्वनाथ सहित बारह ज्योतिलिंगों की यात्रा शामिल हो सकती है। इटावा के सैफई के निकट बन रहा श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर यादव परिवार की आस्था का बड़ा केंद्र है। मुलायम सिंह यादव के समय शुरू हुआ यह मंदिर अब अंतिम चरण में है। मंदिर परिसर में 108 फीट ऊंची भगवान शिव की प्रतिमा स्थापित की जा रही है, जो उत्तर भारत की सबसे ऊंची शिव प्रतिमाओं में से एक होगी। परिसर में विशाल शिवलिंग, नंदी मंडपम और ध्यान केंद्र भी बनाया जा रहा है।राजनीतिक गलियारों में इसे अखिलेश की नई छवि का हिस्सा माना जा रहा है। पिछले कुछ महीनों से वे लगातार धार्मिक आयोजनों में हिस्सा ले रहे हैं।

पशु चिकित्सकों से 20 लाख रुपये मांगने में फंसे अपर निदेशक

सीआर लिखने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप

लखनऊ। पशु चिकित्सकों की गोपनीय प्रविष्टि यानि सीआर लिखने के बदले रिश्वत मांगने के मामले में प्रयागराग के अपर निदेशक ग्रेड-2 रहे डा. कृष्णपाल सिंह फंस गए है। 40 चिकित्सकों ने उन पर धन की मांग करने और पैसा न देने पर सत्यनिष्ठा संदिग्ध करने का आरोप लगाया है। शपथपत्र पर शिकायत के बाद हुई जांच में 22 चिकित्सकों द्वारा आरोपों की पुष्टि की गई है। प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने आरोपित को नोटिस जारी कर 15 दिन में स्पष्टीकरण मांगा है।वाराणसी में संयुक्त निदेशक के पद पर तैनात डा. कृष्णपाल सिंह पर 2024 में मार्च से दिसंबर तक प्रयागराज के अपर निदेशक ग्रेड-2 का अतिरिक्त प्रभार रहा था। उनके विरुद्ध उप्र पशुचिकित्सा संघ के अध्यक्ष डा. संजीव कुमार सिंह सहित 40 पशु चिकित्सकों ने शपथ-पत्र देकर शिकायत की। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि डा. कृष्णपाल सिंह द्वारा गोपनीय प्रविष्टि ठीक लिखने के बदले उनसे पैसे की मांग की जाती थी। डा. संजीव कुमार सिंह से 50 हजार रुपये की मांग की गई। डा. उमेश कुमार पटेरिया को भी घर बुलाकर धनराशि की मांग की गई।दोनों अधिकारियों ने उत्कृष्ट कार्य किया था और प्रतिवेदक ने उन्हें ग्रेड-10 और सत्यनिष्ठा प्रमाणित की थी। उन अधिकारियों को पशुधन विकास मंत्री और सीडीओ द्वारा प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया गया है, फिर भी रिश्वत न मिलने पर उनकी सत्यनिष्ठा श्संदिग्धश कर दी गई। डॉ. शारदा सिंह को कथित रिश्वत न देने पर दो श्रेणी नीचे कर दिया गया। शिकायत पर विभाग ने अपर निदेशक ग्रेड-1 पशु जैविक औषधि संस्थान बादशाहबाग से जांच कराई गई थी। जांच अधिकारी ने 26 सितंबर को अपनी आख्या विभाग को सौंप दी।आख्या में कहा गया है कि जांच अधिकारी के सामने प्रस्तुत हुए 37 पशु चिकित्सकों में से 22 द्वारा सीआर लिखने के बदले पैसों की मांग करने की पुष्टि की गई। निदेशक की और तीन अक्टूबर को जांच आख्या प्रमुख सचिव को भेजी गई थी। जिस पर प्रमुख सचिव द्वारा 15 नवंबर को डा. कृष्णपाल सिंह को जारी नोटिस में कहा गया है कि 15 दिन में उत्तर न मिलने पर अग्रिम निर्णय लिया जाएगा। प्रमुख सचिव ने बताया कि भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस की नीति के तहत कार्य किया जा रहा है। आरोपित का स्पष्टीकरण मिलने के बाद कार्रवाई पर निर्णय लिया जाएगा। आरोपित अधिकारी द्वारा कई पशु चिकित्साधिकारियों की गोपनीय प्रविष्टी आनलाइन खराब दशार्ते हुए उनकी सत्यनिष्ठा संदिग्ध की गई है, बाद में आफलाइन उसे ठीक कर दिया गया। प्रमुख सचिव ने आदेश दिए हैं कि आनलाइन एवं आफलाइन दोनों स्तर पर चरित्र प्रविष्टि का अलग-अलग अंकन होने से भ्रम की स्थिति बनी हुई है। मैनुअल प्रविष्टि स्वीकार करते हुए आनलाइन प्रविष्टि को अमान्य कर दिया जाए।

टीकाकरण जागरूकता से ही मेनिन्जाइटिस को रोकना संभव

लखनऊ। मेनिन्जाइटिस, जिसे ब्रेन फीवर भी कहा जाता है, एक गंभीर और टीके से रोकी जा सकने वाली बीमारी है, जो विशेष रूप से बच्चों के लिए बड़ी स्वास्थ्य चिंता का कारण बनती है। मेनिन्जाइटिस जागरूकता पहल का उद्देश्य इस बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इसे खत्म करने के वैश्विक प्रयासों को सशक्त बनाना है, ताकि समय पर पहचान और टीकाकरण के माध्यम से इसकी रोकथाम को बढ़ावा दिया जा सके। डॉ. आशुतोष वर्मा, पीडियाट्रिशियन, चिल्ड्रेन मेडिकल सेंटर, डालीगंज, लखनऊ बताते हैं, मेनिन्जाइटिस के लक्षण अक्सर सामान्य बीमारियों जैसे लगते हैं, जिससे परिवार सतर्क नहीं हो पाते। टीकाकरण एक्सपोजर से पहले सुरक्षा प्रदान करता हैकृऔर यही सबसे प्रभावी कदम है। हर टीकाकृत व्यक्ति समुदाय में संक्रमण फैलने की संभावना को कम करता है। कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोगों या विदेश जाने वाले छात्रों के लिए टीकाकरण विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्य सुरक्षा है।हर वर्ष विश्वभर में 2.5 मिलियन से अधिक मेनिन्जाइटिस के मामले दर्ज किए जाते हैं। यह एक गंभीर स्वास्थ्य संकट है, क्योंकि इस बीमारी से होने वाली मौतों में लगभग 70ः बच्चे पाँच वर्ष से कम उम्र के होते हैं। मेनिन्जाइटिस या ब्रेन फीवर, मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी को ढकने वाली झिल्ली (मेनिंजीज) में सूजन के कारण होता है। यह आमतौर पर बैक्टीरिया, फफूंद या वायरस संक्रमण से होता है।3 मेनिन्जाइटिस के लक्षण इसके कारण, बीमारी के स्वरूप (तीव्र, उप-तीव्र या दीर्घकालिक), मस्तिष्क की भागीदारी (मेनिंगो-एन्सेफलाइटिस) और प्रणालीगत जटिलताओं (जैसे सेप्सिस) पर निर्भर करते हैं। सामान्य लक्षणों में गर्दन में जकड़न, बुखार, भ्रम या मानसिक स्थिति में बदलाव, सिरदर्द, मतली और उल्टी शामिल हैं। कम आम लक्षणों में दौरे, कोमा और न्यूरोलॉजिकल समस्याएँ (जैसे सुनने या देखने में कमी, संज्ञानात्मक हानि या अंगों में कमजोरी) शामिल हैं। भारत मेनिन्जाइटिस से होने वाली मौतों की संख्या में विश्व के शीर्ष तीन देशों में शामिल है। तीव्र बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस के तीन प्रमुख रोगजनकों में से नाइसेरिया मेनिन्जाइटिडिस मृत्यु दर का बड़ा कारण हैकृउपचार होने पर भी 15ः तक और बिना उपचार के लगभग 50ः मामलों में।5,6 शोध से यह भी पता चला है कि भारतीय बच्चों (2 वर्ष से कम उम्र) में इससे होने वाले मामलों में वृद्धि देखी गई है। इस जानलेवा बीमारी से लड़ने के लिए, इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (प्च) 9,23 महीने की आयु के बच्चों के लिए मेनिन्गोकोकल वैक्सीन की 2-खुराक अनुसूची तथा 2 वर्ष से अधिक उम्र के उच्च जोखिम वाले बच्चों के लिए एकल खुराक की सिफारिश करती है। यदि आपका बच्चा 9 महीने या उससे अधिक उम्र का है, तो सुनिश्चित करें कि उसे इनवेसिव मेनिन्गोकोकल डिजीज से बचाव का टीका अवश्य मिले। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी 2030 तक बैक्टीरियल मेनिन्जाइटिस महामारियों को समाप्त करने, टीके से रोकी जा सकने वाली घटनाओं में 50 प्रतिशत और मौतों में 70 प्रतिशत की कमी लाने के उद्देश्य से एक रोडमैप जारी किया है। जैसे-जैसे मेनिन्जाइटिस जागरूकता अभियान आगे बढ़ रहा है, आइए हम अपने बच्चों और समुदायों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध हों।

जंबूरी में यूपी पुलिस की हाईटेक प्रदर्शनी

डायल 112-एसडीआरएफ सहित 15 से अधिक सुरक्षा इकाइयों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ। वृंदावन योजना में चल रही 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी में उत्तर प्रदेश पुलिस की प्रदर्शनी बच्चों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक स्काउट-गाइड के बच्चे विभिन्न विंग्स की तकनीक, हथियारों और कार्यप्रणाली को करीब से देख रहे हैं। इस प्रदर्शनी में यूपी पुलिस की लगभग सभी प्रमुख इकाइयों ने अपने सेटअप लगाए हैं। प्रदर्शनी में डायल 112 और एसडीआरएफ के जवानों ने अपने हथियारों और बचाव उपकरणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बच्चों को बताया गया कि आपात स्थिति, बचाव कार्य, दंगा नियंत्रण और आपदा प्रबंधन में इन हथियारों और उपकरणों का उपयोग कैसे किया जाता है। एटीएस, फॉरेंसिक लैब, अभियोजन विभाग और साइबर सुरक्षा हेल्प डेस्क भी मौजूद रहे। प्रदर्शनी का सबसे बड़ा आकर्षण स्काउट नजर थाना रहा। इसमें महिला हेल्प डेस्क, साइबर हेल्प डेस्क और सीसीटीएनएस सिस्टम के माध्यम से पूरे थाने का माहौल और प्रक्रियाएँ प्रदर्शित की गईं। नियुक्त थाना प्रभारी सहित पुलिसकर्मी बच्चों को लाइव डेमो दे रहे थे। डायल 112 के माध्यम से बच्चों को आपात स्थिति में तुरंत मदद पहुंचाने वाली यूपी की लाइफलाइन के काम करने का तरीका समझाया गया। इसमें कॉल रिस्पॉन्स, फील्ड डिप्लॉयमेंट और आधुनिक वाहनों की जानकारी शामिल थी। साइबर हेल्पलाइन 1930 के तहत साइबर फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी और डिजिटल अपराधों से बचाव के तरीके बताए गए, साथ ही ठगी होने पर तुरंत शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया भी समझाई गई। उत्तर प्रदेश पुलिस तकनीकी सेवाओं ने हाईटेक मॉनिटरिंग सिस्टम, नेटवर्किंग और तकनीकी उपकरणों की भूमिका प्रदर्शित की, जो पुलिस की डिजिटल क्षमताओं को बढ़ाते हैं।

संजय सिंह बोले-बीएलओ से गन प्वाइंट पर काम करा रहे, एसआईआर के नाम पर सरकार वोट काटने की साजिश कर रही

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा 12 नवंबर को सरयू नदी के तट से रोजगार दो, सामाजिक न्याय दो अभियान की शुरूआत की थी। यह अभियान उत्तर प्रदेश की बेरोजगारी और सामाजिक असमानता जैसे बुनियादी मुद्दों को केंद्र में रखकर शुरू किया गया। यह दोनों मुद्दे राज्य की विशाल आबादी को सीधे प्रभावित करते हैं। युवा, किसान, बुनकर, महिलाएं, रेडी-पटरी चलाने वाले और वे सभी लोग जो आज बेरोजगारी और पेपर लीक जैसी घटनाओं की मार झेल रहे हैं। संजय सिंह ने बताया उनकी पदयात्रा के दौरान काफी संगठनों ने समर्थन दिया। कहीं आशा बहुओं का संगठन मिला, कहीं मनरेगा मजदूरों ने साथ दिया, तो कहीं शिक्षक और रोजगार सेवक खुले तौर पर उनके अभियान से जुड़े। जब यात्रा प्रयागराज पहुंची तो इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रों ने भी उनका साथ दिया। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता पूरे 13 दिनों तक लगातार उनके साथ चले और अलग-अलग जिलों में हजारों की संख्या में लोगों ने सभाओं में भाग लेकर अपनी आवाज जोड़ी। उनका दावा था कि यह समर्थन बता रहा है कि प्रदेश की जनता रोजगार और न्याय को लेकर बेहद चिंतित है। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश की मूल समस्याओं पर पूरी तरह चुप्पी साध रखी है। सरकारी स्कूल बंद हो रहे हैं, अस्पतालों में अल्ट्रासाउंड सप्ताह में सिर्फ एक बार हो रहा है, मोमबत्ती की रोशनी में ऑपरेशन किए जा रहे हैं, एक्स-रे कागज पर किए जा रहे हैं। इसके बावजूद सरकार कोई जवाब नहीं दे रही। उन्होंने कहा पेपर लीक जैसे मामलों से युवा परेशान हैं, लेकिन समाधान की बजाय सरकार उन पर लाठी मारती है, आवाज उठाने पर मुकदमे लिख देती है और कई बार एनएसए तक लगा देती है। संजय सिंह के अनुसार सरकार का उद्देश्य असली मुद्दों को दबाना और नकली मुद्दों को बढ़ावा देना है। संजय सिंह ने यूपी में हाल के दिनों में हुई कई घटनाओं का हवाला देते हुए कहा राज्य में डर और नफरत का वातावरण तैयार किया जा रहा है। कहीं किसी कथा-वाचक का सिर मंगवाया जाता है।

सिविल डिफेंस का लगा ट्रेनिंग कैंप,360 वार्डन को युद्ध के लिए दिया जाएगा प्रशिक्षण

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में सिविल डिफेंस की ट्रेनिंग का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यमंत्री धर्मवीर सिंह और डीजी डीके ठाकुर शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे चीफ वार्डन अमरनाथ मिश्रा ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य की सिविल डिफेंस के तमाम वार्डन को प्रशिक्षित किया जाए। कार्यक्रम में ट्रेनिंग कार्य के साथ आपदा के अवसर में सिविल डिफेंस की क्या भूमिका होती है इस पर विस्तार से चर्चा हुई। डीजी डीके ठाकुर ने कहा कि सिविल डिफेंस की भूमिका हमारे समाज में बेहद महत्व पूर्ण है। चीन से युद्ध के दौरान सिविल डिफेंस की स्थापना हुई। युद्ध के समय में नागरिकों को सुरक्षित स्थान पर ले जाना, उन्हें मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराना और युद्ध प्रबंधन में मदद करना इसका अहम काम होता था। मंत्री धर्मवीर सिंह ने कहा कि आपदा-विपदा के समय सिविल डिफेंस निस्वार्थ सेवाएं देता है। इसमें कार्य करने वालों की जितनी भी सराहना की जाए कम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिविल डिफेंस के महत्ता को समझा और और इससे सक्रिय किया। पूर्व की सरकारों ने सिविल डिफेंस जैसी महत्वपूर्ण सामाजिक अंग को निष्क्रिय कर दिया था। मगर एक बार फिर से सिविल डिफेंस अपनी भूमिका निभा रही है। पहले उत्तर प्रदेश के मात्र 17 जनपदों में ही सक्रिय कार्य देखने को मिलता था। मगर अब प्रदेश के 75 जनपदों में सिविल डिफेंस सक्रिय हो गई है और नागरिक सेवा, सुरक्षा से सभी लोगों को बड़े स्तर पर जोड़ा जा रहा है। वार्डन की यह जिम्मेदारी है वह अपने विभाग की और अपनी पहचान जहां जाए छोड़ कर आए और लोगों को बताएं कि सिविल डिफेंस क्या है। चीफ वार्डन अमरनाथ मिश्रा ने कहा कि सरकार से सिविल डिफेंस को बढ़ाने में पूरा सहयोग मिल रहा है। सिविल डिफेंस में जो नई भर्ती हुई है उनके साथ पुराने वार्डन्स के लिए ट्रेनिंग सेशन आयोजित किया जा रहा है। लखनऊ जनपद में 360 लोगों को ट्रेनिंग दी जाएगी। 90 व्यक्ति एक सप्ताह के लिए ट्रेनिंग सेशन में शामिल होंगे। सिविल डिफेंस शांति व्यवस्था स्थापित करने में और आपदा के समय में नागरिकों की सहायता के लिए अहम भूमिका निभाता है। अमरनाथ मिश्रा ने बताया कि लखनऊ में तमाम धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में सिविल डिफेंस पहली पंक्ति में नजर आता है। इसके अलावा जब कोई भी मुसीबत का समय आता है तो उसमें भी लोगों की सहायता करता है उन्होंने बताया कि हाल ही में जब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की स्थिति हुई तो सिविल डिफेंस के द्वारा दर्जनों स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में मॉक ड्रिल करवाया गया समाज को सशक्त, जागरूक और सुरक्षित बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

ताजा खबर...

बरात में हर्ष फायरिंग, गोली लगने से युवती की मौत

लखनऊ। पुलिस हर्ष फायरिंग की घटनाएं रोक पाने में विफल साबित हो रही है। सोमवार रात करीब साढ़े नौ बजे मेरठ के लिसाड़ीगेट के श्यामनगर में बरात रवानगी के दौरान करीब 20 राउंड हर्ष फायरिंग की गई। बरात देखने के लिए दादा के मकान की छत पर खड़ी 22 वर्षीय युवती की गोली लगने से मौत हो गई। बरात में भगदड़ मच गई, दूल्हा और परिवार के लोग फरार हो गए। श्यामनगर निवासी मीट कारोबारी शाहनवाज के बेटे शाकिब का निकाह था। रात करीब साढ़े नौ बजे शाकिब की बरात लोहियानगर थाना क्षेत्र के फफूंडा जाने के लिए तैयार थी। बरात में शामिल कुछ युवकों ने हर्ष फायरिंग शुरू कर दी। बरात देखने के लिए किराना व्यापारी अरशद की बेटी अक्सा अपने रिश्ते के दादा यामीन के घर गई थी।

राम मंदिर निर्माण की शास्त्रीय प्रक्रिया पूर्ण, ध्वजारोहण हुआ-मोहन भागवत

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने अभिजीत मुहूर्त में राम मंदिर पर केसरिया ध्वज फहराया। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि आज हम सबके लिए एक सार्थकता का दिन है। इतने लोगों ने सपना देखा, इतने लोगों ने प्रयास किए, इतने लोगों ने अपने प्राण अर्पण किए आज उनकी आत्मा को तृप्त हुई होगी। आज वास्तव में अशोक जी को वहां शांति मिली होगी।उन्होंने अपना प्राण अर्पण किया और अपना पसीना बहाया तथा जो पीछे रहे वो भी मन में इच्छा करते रहे कि मंदिर बनेगा-बनेगा और आज मंदिर निर्माण की शास्त्रीय प्रक्रिया पूर्ण हो गई. ध्वजारोहण हो गया।हमने इसे अपनी आंखों से देखा है।

डॉ० चिन्मय पण्ड्या का 28 नवम्बर को लखनऊ आगमन

लखनऊ। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के विशेष प्रतिनिधि एवं देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार के प्रतिकुलपति श्रद्धेय डॉ० चिन्मय पण्ड्या जी प्रदेश के चार दिवसीय कार्यक्रम में दिनांक 28.11.2025 को इन्दिरानगर सेक्टर-9 स्थित गायत्री ज्ञान मंदिर में नवीनीकृत साहित्य विस्तार पटल का लोकार्पण करेंगे। श्रद्धेय लोकार्पण स्थल पर उपस्थित कार्यकताओं को वंदनीय माताजी की जन्म शताब्दी के कार्यक्रम की जानकारी देंगे। इसके साथ-साथ ऋषि का सन्देश भी देंगे। तत्पश्चात वे आगे के कार्यक्रम हेतु प्रस्थान करेंगे।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर एकता यात्रा, विधायक डॉ. नीरज बोरा ने किया नेतृत्व

लखनऊ। लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर लखनऊ में एक एकता यात्रा का आयोजन किया गया। लगभग 4 किलोमीटर लंबी यह यात्रा अलीगंज से बाबूगंज तक निकाली गई, जिसका नेतृत्व विधायक डॉ. नीरज बोरा ने किया।डॉ. बोरा ने इस अवसर पर कहा कि यह कार्यक्रम किसी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि देश को अखंडता प्रदान करने वाले राष्ट्रपुरुष सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आयोजित किया गया है। यह यात्रा नेताजी सुभाष चंद्र बोस महाविद्यालय, अलीगंज से प्रारंभ हुई। यह साहू इलेक्ट्रॉनिक्स चौराहा, गुलाब वाटिका, आठ नंबर चौराहा निरालानगर, डालीगंज क्रॉसिंग, डालीगंज बाजार, हसनगंज कोतवाली, अतुल चौराहा और पन्नालाल रोड बाजार से होते हुए बाबूगंज स्थित रामाधीन सिंह लॉन पर समाप्त हुई। इस एकता यात्रा में बड़ी संख्या में छात्रों और युवाओं ने भाग लिया। सेंट जोसेफ स्कूल का बैंड यात्रा में सबसे आगे चल रहा था। इसके अतिरिक्त, उत्तर प्रदेश सांस्कृतिक दल की पांच और केंद्र स्तर की दो, कुल सात टीमों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं।यात्रा के दौरान युवाओं पर पुष्प वर्षा की विशेष व्यवस्था की गई थी, जिसके लिए पार्षद और कार्यकर्ता विभिन्न स्थानों पर तैनात थे। डॉ. बोरा ने बताया कि इस विशाल आयोजन के कारण प्रशासन के सहयोग से यातायात के वैकल्पिक मार्गों, पार्किंग व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधों को सुनिश्चित किया गया था। इसका उद्देश्य आम नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा से बचाना था।उन्होंने जोर देकर कहा कि यह यात्रा केवल एक आयोजन मात्र नहीं, बल्कि देश की एकता और अखंडता के संकल्प का संदेश देने वाला एक महत्वपूर्ण उत्सव है। यात्रा के शुभारंभ के दौरान वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, महापौर सुषमा खरकवाल, लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, नोएडा विधायक पंकज सिंह और समाजसेविका बिंदु बोरा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। यात्रा मार्ग को विशेष रूप से सजाया गया था और युवाओं के स्वागत के लिए व्यापक तैयारियां की गई थीं।

यूपी की अर्थव्यवस्था का नया इंजन है राम मंदिर

लखनऊ। राम मंदिर अपनी भव्यता और धार्मिक महत्व के कारण पहले से ही चर्चा में है लेकिन अब इसकी आर्थिक ताकत सामने आई है। भारी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं द्वारा दान की गई राशि ने इसे देश के

सबसे धनी मंदिरों की सूची में शामिल कर दिया है। पिछले एक साल के आंकड़ों के अनुसार अयोध्या का राम मंदिर अब कमाई के मामले में तीसरे स्थान पर अपनी मजबूत जगह बना चुका है।पहले स्थान पर तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर आंध्र प्रदेश 1500 से 1650 करोड़ रुपए, दूसरे स्थान पर पद्मनाभस्वामी मंदिर केरल 750 से 800 करोड़ रुपए और तीसरे स्थान पर राम मंदिर अयोध्या उत्तर प्रदेश लगभग 700 करोड़ रुपए है।मंदिर के पूरी तरह खुलने, सुविधाओं के विस्तार और भक्तों की बढ़ती संख्या के कारण अयोध्या का राम मंदिर जल्द ही टॉप-2 मंदिरों को टक्कर दे सकता है।राम मंदिर केवल धार्मिक केंद्र नहीं रहा बल्कि यह उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था का नया इंजन बन गया है।अयोध्या शहर में पर्यटन बढ़ने से रोजगार के अवसर तेजी से बढ़े हैं। होटल, गेस्ट हाउस और होम स्टे की मांग में कई गुना वृद्धि हुई है। वर्तमान में अयोध्या के 1100 से अधिक पंजीकृत होम स्टे हर महीने दो लाख रुपये तक की कमाई कर रहे हैं जिनकी बुकिंग लगातार फुल रहती है। वंदे भारत ट्रेनों, चौड़े सड़क मार्गों और अयोध्या इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शुरू होने से यात्रियों की संख्या में तेजी आई है जिसने धार्मिक पर्यटन को अभूतपूर्व गति दी है। ध्वजारोहण के साथ अयोध्या धार्मिक और आर्थिक दोनों ही क्षेत्रों में देश के नक्शे पर एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित हो गया है।

संपादकीय

खतरनाक मंसूबे

नापाक पाक की ओर से सीमावर्ती राज्य पंजाब को अस्थिर करने की साजिश पिछली सदी से लगातार की जा रही है। लेकिन अब नशे का नश्तर सुनियोजित ढंग से इसके सीने पर जिस ढंग से चलाया जा रहा है, वह परेशान करने वाला है। पंजाब के पाक सीमा से लगे जिलों में नशीले पदार्थों की आपूर्ति लगातार जारी है। लेकिन अब इस साजिश में एक विचलित करने वाला अनैतिक मोड़ देखने को मिल रहा है। इसमें पाक स्थित ड्रग माफिया भारतीय सीमा में नाबालिगों को एक नशा आपूर्तिकर्ता के तौर पर भर्ती कर रहे हैं। यह कोई मामूली साजिश नहीं है, बल्कि एक खतरनाक प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया जा रहा है। ये तकनीकी बदलावों, कानून की खामियों और सबसे बढ़कर बच्चों की मासूमियत का फायदा उठाने का कुत्सित प्रयास ही है। दरअसल, सीमा पार बैठे नशा माफिया कानून के छिद्रों व परिस्थितियों का लाभ उठाने से नहीं चूकते। अमृतसर, तरनतारन, फिरोजपुर और फाजिल्का के किशोरों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। इन किशोरों में कई आर्थिक तंगी से जूझ रहे परिवारों से हैं। जिन्हें चंद रुपयों का प्रलोभन दिया जाता है। उन्हें स्मार्टफोनों का लालच भी दिया जाता है। इसके अलावा जो किशोर नशे की दलदल में धंस चुके हैं उनकी कमजोर नस को पकड़कर उन्हें मुफ्त ड्रग्स का लालच दिया जाता है। किसी भी देश के किशोरों का नशे के संजाल में फंसना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। बच्चे भविष्य के भारत के कर्णधार होते हैं। यदि वे अभी से नशे की दलदल और नशीले पदार्थों की आपूर्ति में लग जाएंगे तो देश-समाज का भविष्य कैसा होगा, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। जिस काम को किशोर लालच से अंजाम दे रहे हैं, सही मायनों में वह बेहद खतरनाक है। वे ड्रोन से गिराए गए हेरोइन के पैकेट व कुछ मामलों में खतरनाक अवैध हथियार उठाते हैं और उन्हें ड्रग माफिया द्वारा बताए गए एजेंटों तक पहुंचाते हैं। दरअसल, आमतौर पर किशोरों की सामान्य सक्रियता को संदिग्ध नहीं माना जाता। उनका साफ-सुथरा रिकॉर्ड उन्हें कानून प्रवर्तन अधिकारियों की नजर से बचा लेता है। यदि नाबालिगों की गिरफ्तारी होती भी है तो वे भारतीय कानूनों के हिसाब से गंभीर सजा से बच जाते हैं। इस तरह, उनकी कम उम्र ही उन्हें सीमा पार बैठे नशे के तस्करों के लिये उपयोगी बना देती है। इन बच्चों के खिलाफ कार्रवाई करते समय प्रवर्तन एजेंसियों को उदार रवैया अपनाना चाहिए। दरअसल, कुछ बच्चे परिस्थितियों के मारे भी होते हैं। वे मूलतरू अपराधी नहीं होते। कुछ शातिर अपराधी उनका इस्तेमाल करके इस अपराध की दलदल में धकेल देते हैं। सही मायनों में वे सीमा पार से रची गई साजिश और हमारी अपनी व्यवस्था की कमजोरियों के कुचक्र व उससे उपजी आपराधिक व्यवस्था में आसानी से फंस जाते हैं। असल में, भारतीय किशोर न्याय कानून का उद्देश्य नाबालिगों को सुधारना और सुरक्षा करना होता है। लेकिन इस कानून की मूल भावना का लाभ संगठित नेटवर्कों द्वारा अपने मंसूबों को अंजाम देने को उठाया जा रहा है। हम 21वीं सदी में नशे की तस्करी का मुकाबला बीसवीं सदी के उपायों से नहीं कर सकते हैं। कभी-कभार होने वाली गिरफ्तारियां, छिटपुट छापे और उदार चेतावनी अपर्याप्त कही जा सकती हैं। निश्चित रूप से अपराध की घातकता के अनुरूप ही प्रतिक्रिया देने की जरूरत है। सीमा की निगरानी व्यवस्था को अत्याधुनिक बनाये जाने की सख्त आवश्यकता है। स्कूलों, पंचायतों, सामुदायिक नेताओं और नागरिक समाज को पहले ही चेतावनी प्रणालियां बनानी चाहिए, ताकि पहचान हो सके कि बच्चों की परवरिश किस ढंग से की जा सके। इस दिशा में अभिभावकों को भी जागरूक करने की जरूरत है ताकि वे बच्चों के पथभ्रष्ट होने के खतरे के प्रति सचेत रहें। समुदायों को भी सतर्क रहने की जरूरत है। साथ ही जोखिम के दायरे में आ सकने वाले युवाओं को बेहतर शिक्षा, कार्य कौशल और वित्तीय सहायता प्रदान करनी चाहिए ताकि वे किसी प्रलोभन में आकर गलत राह न चुने। निश्चित तौर पर नाबालिगों का यह दुरुपयोग पंजाब के सामाजिक ताने-बाने व भारत की सुरक्षा पर हमला है।

माऊस के सामने पैन को भूल गए छात्र

> इन प्रोफैसर महोदय का कहना था कि बचपन में वह गांव के स्कूल में पढ़े थे, जहां जोर-जोर से गाकर पहाड़े याद कराए जाते थे जो आज तक उन्हें याद हैं। बड़ी कक्षाओं में बताया जाता था कि सवालों के उत्तरों को बार-बार लिखकर याद करें। अच्छे हस्तलेख पर भी जोर दिया जाता था। लिखने की खूब प्रैक्टिस करनी होती थी जिससे कि निर्धारित समय में पूरा प्रश्नपत्र खत्म हो सके। कोई सवाल छूट न जाए। लेकिन पहले छात्रों के जीवन में कम्प्यूटर ने प्रवेश किया। माऊस के सामने वे पैन को भूल गए। टैबलेट और लैपटॉप में तो माऊस की जरूरत भी नहीं रही। और अब जब से आर्टीफिशियल इंटैलीजैंस या कृत्रिम बुद्धिमता का जीवन में प्रवेश हुआ है, तब से बच्चों के सीखने में भारी कमी दर्ज की गई है। हाथ से लिखना तो भूल ही गए हैं। बैंकों में अक्सर ऐसे युवा मिलते हैं, जिनके पास अपने हस्ताक्षर करने के लिए पैन नहीं होता। अब भी बुजुर्ग स्त्री-पुरुषों के पास पैन होता है।

पिछले दिनों अमरीका में पढ़ाने वाले एक प्रोफैसर ने दिलचस्प किस्सा बताया। उन्होंने अपने विद्याध्थयों को निबंध लिखने के लिए एक विषय दिया। वह यह देखकर हैरान रह गए कि सभी विद्याध्थयों ने एक जैसा लिखा था। यहां तक कि प्रारंभ और अंत भी लगभग एक जैसे थे। उन्हें समझते देर न लगी कि विद्याध्थयों ने विषय को चौट जी.पी.टी. में फीड किया होगा और वहीं से नकल करके लिख दिया। इससे उनके कान खड़े हो गए। इस तरह तो छात्र कुछ सीख ही नहीं रहे। न उन्हें कुछ याद हो रहा है। इसके बाद उन्होंने बच्चों से कहा कि टैस्ट से पहले वे अपने मोबाइल और लैपटॉप जमा करा दें और निबंध हाथ से लिखें। लेकिन छात्रों को यह तरीका कतई पसंद नहीं आया। उनका कहना था कि वे हाथ से लिखना नहीं जानते। वे कम्प्यूटर पर ही लिख सकते हैं। इन प्रोफैसर महोदय का कहना था कि बचपन में वह गांव के स्कूल में पढ़े थे, जहां जोर-जोर से गाकर पहाड़े याद कराए जाते थे जो आज तक उन्हें याद हैं। बड़ी कक्षाओं में बताया जाता था कि सवालों के उत्तरों को बार-बार लिखकर याद करें। अच्छे हस्तलेख पर भी जोर दिया जाता था। लिखने की खूब प्रैक्टिस करनी होती थी जिससे कि निर्धारित समय में पूरा प्रश्नपत्र खत्म हो सके। कोई सवाल छूट न जाए। लेकिन पहले छात्रों के जीवन में कम्प्यूटर ने प्रवेश किया। माऊस के सामने वे पैन को भूल गए। टैबलेट और लैपटॉप में तो माऊस की जरूरत भी नहीं रही। और अब जब से आर्टीफिशियल इंटैलीजैंस या कृत्रिम बुद्धिमता का जीवन में प्रवेश हुआ है, तब से बच्चों के सीखने में भारी कमी दर्ज की गई है। हाथ से लिखना तो भूल ही गए हैं। बैंकों में अक्सर ऐसे युवा मिलते हैं, जिनके पास अपने हस्ताक्षर करने के लिए पैन नहीं होता। अब भी बुजुर्ग स्त्री-पुरुषों के पास पैन होता है। ये युवा पैन मांगते हैं और अक्सर लौटाना भूल जाते हैं। कुल मिलाकर यह कि दुनियाभर में हाथ से लिखना जो कि एक कला ही मानी जाती रही है, लोग भूल रहे हैं। लिखना तो दूर चीजें याद भी नहीं रहतीं। पिछले दिनों एक परिचित ने बताया था कि जब लैंडलाइन का जमाना था तो उन्हें असंख्य नम्बर याद रहते थे। जब से मोबाइल आया है और नम्बर सेव करने की सुविधा मौजूद है तब से कोई नम्बर याद नहीं रहता। कहा ही जाता है कि यदि दिमाग का इस्तेमाल कम करो तो दिमाग की शक्तियां भी कम होने लगती हैं। शरीर के अन्य अंगों के साथ भी यही सच है। पिछले दिनों स्वीडन से एक दिलचस्प खबर आई थी। बताया गया था कि 15 साल पहले वहां के स्कूलों से किताबों और कापियों को पूरी तरह से विदा कर दिया गया था। बच्चों को पढने के लिए लैपटॉप थमा दिए गए थे। शिक्षा का प्रारम्भ से ही डिजिटलीकरण कर दिया गया था। लेकिन तमाम सर्वेक्षणों में यह बात सामने आई कि बच्चे कुछ भी नया नहीं सीख रहे। उनमें इनीशिएटिव लेकर कुछ नया सीखने की भावना कम हो रही है। वे न पढना चाहते हैं न लिखना। इसके अलावा रात-दिन कम्प्यूटर पर काम करने के कारण उन्हें तरह-तरह के रोग हो रहे हैं। सर्वाइकल, गठिया, आंखों की कमजोरी, चिड़चिड़ापन, अवसाद आदि के वे शिकार हो रहे हैं। सारी बातों पर गौर करके स्वीडन की सरकार ने तय किया कि अब बच्चे लैपटॉप, टैबलेट आदि से नहीं पढ़ेंगे। वे वापस किताबों, कापियों से ही पढ़ेंगे। वे पढने की पुरानी पद्धतियों की तरफ ही वापस लौटेंगे। यही बात अब अमरीका में जोर-शोर से कही जा रही है। तमाम बड़े अखबारों में लेख छप रहे हैं। इस बात पर चिंता व्यक्त की जा रही है कि नई पीढ़ी हाथ से लिखना भूल गई है। अल्फा। पीढ़ी जो हाथ में मोबाइल ही लेकर जन्मी है, उसे किस तरह से हाथ से लिखने की तरफ लौटाया जाए। स्कूलों में बच्चों के बीच बहस आयोजित की जा रही हैं। उन्हें लिखने, सीखने और याद करने का महत्व बताया जा रहा है। यह भी कि लिखने से कम्युनिकेशन स्किल्स भी बढ़ती हैं। बातचीत से वे बहुत कुछ ऐसा नया सीखते हैं जो ए.आई. नहीं सिखा सकता। इसके अलावा कोई मेल लिखना, किसी को मैसेज भेजना आदि भी हमें संबंधों के महत्व को बताते हैं। हम अपनी भावनाओं को अपने हिसाब और इमोशंस के साथ व्यक्त करते हैं। इसलिए लिखना बहुत जरूरी है। कम्प्यूटर पर लिखें लेकिन हाथ से भी लिखें। यह भी कहा जा रहा है कि हम अपने आप जो कुछ लिखते हैं, उसमें हमेशा नयापन होता है। कोई और उसे ज्यों का त्यों नकल नहीं कर सकता। फि र हम जब अपने भाव और विचार खुद व्यक्त करते हैं तो दिमाग हमें नई-नई सूचना देता है। बहुत सी पुरानी चीजें याद दिलाता है। हरदम नया सोचने को प्रेरित करता है। हम अपनी समस्याएं खुद हल करना सीखते हैं। अभी हमें ए.आई. किसी जादूगर की तरह लग सकता है जो पलक झपकते ही हमारी हर समस्या हल कर दे। लेकिन अंततरू यह हमारे दिमाग की बहुत सारी शक्तियों, हमारी रचनात्मकता, नया सोचने की शक्ति को खत्म करने की ताकत भी रखता है। इसलिए खुद लिखें, खुद सीखें। अमरीका में चल रही इस बहस से उम्मीद है कि भारत में भी लोग कुछ सीखेंगे।-क्षमा शर्मा

केवल ही मैन नहीं थे धर्मेन्द्र

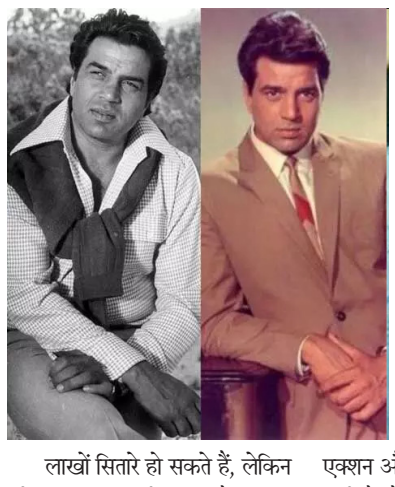

> मीडिया में हिंदी फिल्मों के ही मैन के तौर पर धर्मेन्द्र को याद किया जा रहा है। हालांकि आज जिस तरह का एक्शन और स्टंट कई फिल्म कलाकार करते हैं, वैसा धर्मेन्द्र ने कभी नहीं किया। लेकिन 1966 में आई फूल और पत्थर फिल्म के एक दृश्य में जब गुंडे, शराबी के रोल में धर्मेंद्र एक भिखारी और विधवा पर अपनी शर्ट उतार कर पहना देते हैं, तो लोगों ने उनकी कसरती काया को पसंद किया और एक्शन करने के कारण ही मैन का तमगा उनके साथ ताजिंदगी चस्पां हो गया।हालांकि कसरती कद-काठी वाले धर्मेन्द्र के चेहरे पर ऐसी सादगी, भोलापन और रूमानियत थी कि लोग उनकी सुंदरता के भी कायल रहे। करीब 60 सालों के फिल्मी करियर में धर्मेन्द्र ने बंदिनी, सत्यकाम, अनुपमा जैसी आदर्शवादी फिल्में कीं तो चुपके-चुपके और शोले में अपने अभिनय की छाप ऐसे छोड़ी कि उनका दोहराव कोई और कलाकार कर ही नहीं पाया। धर्मेन्द्र से पहले राजकपूर, दिलीप कुमार, देवानंद, अशोक कुमार जैसे सितारों की तूती बोलती थी, तो उनके साथ-साथ राजेश खन्ना, अमिताभ बच्चन जैसे सुपरस्टार बने। बाद में शाहरुख खान, सलमान खान के दीवाने फैंस तैयार हुए, लेकिन धर्मेन्द्र का जलवा शुरू से लेकर आखिर तक कायम ही रहा। हालांकि हकीकत, ममता, शोले, चुपके-चुपके, ड्रीमगर्ल, सीता और गीता जैसी फिल्में करने के बाद धर्मेन्द्र ने बी ग्रेड की भी कई फिल्में कीं, जिनमें न अच्छी कहानी थी, न ढंग का अभिनय था और दर्शक धर्मेन्द्र से निराश भी हुए, लेकिन फिर भी दिलों में वे ऐसी पैठ बना चुके थे, जो वक्त के साथ कमजोर नहीं पड़ी।

लाखों सितारे हो सकते हैं, लेकिन धर्मेंद्र सिर्फ एक ही हो सकता है। राजीव विजयकर की किताब धर्मेंद्र- नॉट जस्ट ए ही-मैन के पुस्तक विवरण की यह पंक्ति धर्मेन्द्र के निजी और फिल्मी करियर पर बिलकुल सटीक बैठती है। विजयकर की किताब का शीर्षक धर्मेंद्र- नॉट जस्ट ए ही-मैन भी सर्वथा उचित ही है। 24 नवंबर को 89 बरस की उम्र में धर्मेन्द्र ने आखिरी सांस ली, तो देश भर में दुख की लहर दौड़ गई। प्रधानमंत्री मोदी से लेकर तमाम क्षेत्रों के दिग्गजों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। मीडिया में हिंदी फिल्मों के ही मैन के तौर पर धर्मेन्द्र को याद किया जा रहा है। हालांकि आज जिस तरह का एक्शन और स्टंट कई फिल्म कलाकार करते हैं, वैसा धर्मेन्द्र ने कभी नहीं किया। लेकिन 1966 में आई फूल और पत्थर फिल्म के एक दृश्य में जब गुंडे, शराबी के रोल में धर्मेंद्र एक भिखारी और विधवा पर अपनी शर्ट उतार कर पहना देते हैं, तो लोगों ने उनकी कसरती काया को पसंद किया और एक्शन करने के कारण ही मैन का तमगा उनके साथ ताजिंदगी चस्पां हो गया।हालांकि कसरती कद-काठी वाले धर्मेन्द्र के चेहरे पर ऐसी सादगी, भोलापन और रूमानियत थी कि लोग उनकी सुंदरता के भी कायल रहे। करीब 60 सालों के फिल्मी करियर में धर्मेन्द्र ने बंदिनी, सत्यकाम, अनुपमा जैसी आदर्शवादी फिल्में कीं तो चुपके-चुपके और शोले में अपने अभिनय की छाप ऐसे छोड़ी कि उनका दोहराव कोई और कलाकार कर ही नहीं पाया। धर्मेन्द्र से पहले राजकपूर, दिलीप कुमार, देवानंद, अशोक कुमार जैसे सितारों की तूती बोलती थी, तो उनके साथ-साथ राजेश खन्ना, अमिताभ बच्चन जैसे सुपरस्टार बने। बाद में शाहरुख खान, सलमान खान के दीवाने फैंस तैयार हुए, लेकिन धर्मेन्द्र का जलवा शुरू से लेकर आखिर तक कायम ही रहा। हालांकि हकीकत, ममता, शोले, चुपके-चुपके, ड्रीमगर्ल, सीता और गीता जैसी फिल्में करने के बाद धर्मेन्द्र ने बी ग्रेड की भी कई फिल्में कीं, जिनमें न अच्छी कहानी थी, न ढंग का अभिनय था और दर्शक धर्मेन्द्र से निराश भी हुए, लेकिन फिर भी दिलों में वे ऐसी पैठ बना चुके थे, जो वक्त के साथ कमजोर नहीं पड़ी। लुधियाना के नरसाली गांव में एक गणित शिक्षक के घर जन्मे धर्मेन्द्र का मुंबई तक का सफर किसी फिल्मी कहानी जैसा ही है, जिसमें ख्वाब, शोहरत, प्रेम प्रसंग, दिल टूटना, जिंदगी की दिशा बदल जाना जैसे सारे मसाले हैं। मां-बाप के घर पर धर्मेन्द्र की पहचान धरम सिंह देओल के रूप में थी। 10वीं कक्षा में धर्मेन्द्र ने 1948 में आई दिलीप कुमार की फिल्म शहीद देखी। उस फिल्म और दिलीप कुमार ने उनके दिल पर ऐसा जादू किया कि उन्होंने अभिनेता बनने की ठान ली। दस साल बाद 1958 में फिल्मफेयर मैगजीन ने एक टैलेंट हंट की घोषणा की जिसमें बिमल रॉय और गुरुदत्त जैसे दिग्गज शामिल थे। धर्मेन्द्र ने इसमें हिस्सा लिया, और यहीं से मुंबई और उनके अटूट रिश्ते की शुरूआत हो गई। धर्मेन्द्र ने बंदिनी फिल्म में काम शुरू किया, लेकिन अर्जुन हिंगोरानी की फिल्म दिल भी तेरा हम भी तेरे के लिए भी उन्हें इस बीच लिया गया। पैसों की तंगी के बीच धर्मेन्द्र ने इस फिल्म को पूरा किया और उसके बाद उनका फिल्मी सफर अनवरत जारी रहा, जो अब उनकी मौत के बाद भी कायम रहेगा। अगले महीने की 25 तारीख को धर्मेन्द्र की फिल्म इक्कीस रिलीज हो रही है। यानी दर्शक अपने चहेते अभिनेता को मौत के एक महीने बाद पर्दे पर सक्रिय देखेंगे। जिंदगी कभी-कभी फिल्मों की तरह ही जादुई हो जाती है।यूं तो धर्मेन्द्र ने एक से बढ़कर एक यादगार किरदार निभाए हैं, लेकिन शोले में टंकी पर चढ़ जाने वाला दृश्य और धर्मेन्द्र का कहना कि- श्वैन आई डेड, पुलिस कमिंग..पुलिस कमिंग, बुढ़िया गोइंग जेल.. इन जेल बुढ़िया चक्की पीसिंग एंड पीसिंग एंड पीसिंगश ऐसा है कि उसे जितनी बार देखो, चेहरे पर मुस्कुराहट आ जाएगी। इसी तरह चुपके-चुपके में वनस्पति विज्ञान के प्रोफेसर परिमल जब अपने साढू भाई बने ओमप्रकाश को ड्राइवर बनकर तंग करते हैं, वह भी लाजवाब किरदार है। बिमल रॉय, हृषिकेश मुखर्जी, चेतन आनंद जैसे निर्देशकों ने धर्मेन्द्र के अंदर के कलाकार को खुल कर अभिव्यक्त होने का मौका दिया। 1971 में हृषिकेश मुखर्जी ने फिल्म गुड्डी बनाई थी, इसमें धर्मेन्द्र बतौर धर्मेन्द्र ही आए थे। सहज हास्य से भरपूर इस फिल्म में किशोर-किशोरियों पर ग्लैमर के प्रभाव जैसे गंभीर विषय को बेहद सधे हुए तरीके से दर्शाया गया है।

अयोध्या जी, बहुत सुलभ हैं रामलला के दर्शन

> भगवान राम को शीश नवाए। हाल ही में हम पत्रकारों के एक सम्मेलन में अयोध्या जी में थे। रामलला के दर्शनों के लिए आ रही श्रद्धालुओं की भीड़ को देख मेरे एक साथी लखनऊ के वरिष्ठ पत्रकार दिनेश शर्मा ने कहा था कि अयोध्या जी आने वाले समय में हिंदुओं का प्रमुख श्रद्धा का केंद्र होगा। यहां प्रत्येक हिंदू-सनातनी आकर शीश नवाना अपने जीवन का एक लक्ष्य बनाएगा। शीश नवाकर अपने को कृतार्थ मानेगा। अयोध्या में राम मंदिर बनने से पहले कभी श्रद्धालुओं को संकरी गलियों से गुजरने के बाद टेढ़े मेढ़े और उभर खाबड़ रास्तों से गुजरकर मंदिर तक पहुंचना होता था। आम श्रद्धालुओं के लिए ये यात्रा और कितनी दुरूह रहती होगी, यह समझते बनता है। इस सबके बावजूद यहां आने वाले श्रद्धालुओं का उत्साह और जोश देखते बनता था। अब मंदिर परिसर बन गया। भव्य मंदिर बन गया। 25 नंवबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंदिर पर भव्य ध्वजारोहण करेंगे। भव्य समारोह होगा। इस आयोजन के प्रत्यक्षदर्शी बनने के लिए दुनिया भर से हजारों प्रमुख व्यक्ति आ रहे है। उम्मीद है कि ध्वजारोहण के दिन अयोध्या में वीवपीआईपी के एक सौ के आसपास जेट आएंगे। अयोध्या आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु इस बात को लेकर आंशकित होता हैं, कि इतनी भीड़ में दर्शन कैसे होंगे? पूजा कैसे होगी? प्रसाद कैसे चढ़ेगा? सब चाहते हैं कि मंदिर आगमन की स्मृति फोटो के रूप में अपने पास सुरक्षित रखें। यहां स्थिति अन्य मंदिर से बिल्कुल भिन्न है। यहां न पूजा की व्यवस्था है, न प्रसाद चढ़ने का प्रबंध। यहां पूजन कराने वाले पुजारी भी नही है। यहां तो बस मंदिर आइए। रामलला के दर्शन करिए। प्रभु को शीश नवाइए और बाहर आ जाइए।

राम मंदिर आज हिंदुओं का प्रमुख तीर्थ बन गया है। प्रतिदिन 80 हजार से एक लाख भक्त रामलला के दर्शन कर उन्हें प्रणाम करते हैं। कई अवसर पर तो ये संख्या डेढ़ लाख से ज्यादा हो जाती है। आज दुनिया भर में बसे लगभग हर सनातनी के मन में एक ही इच्छा है किसी तरह वह अयोध्या जाकर राम मंदिर के दर्शन कर सके। रामलला के दर्शन के लिए यदि अयोध्या जी जा रहे हैं तो निश्चित होकर जाएं। ये मानकर जाए कि भगवान के घर जा रहे हैं। उनकी शरण में जा रहे हैं। बस फिर किसी चिंता की जरूरत नहीं। दर्शन के लिए किसी की सिफारिश मत कराइए। सीधे जाइए। दर्शन करिए और 20 से 30 मिनट में दर्शन कर मंदिर से बाहर आ जाइए। हमारा दावा है विश्व के किसी भी धर्म के तीर्थस्थल से इससे ज्यादा सुलभ दर्शन कहीं संभव नही हैं। राम मंदिर आज हिंदुओं का प्रमुख तीर्थ बन गया है। प्रतिदिन 80 हजार से एक लाख भक्त रामलला के दर्शन कर उन्हें प्रणाम करते हैं। कई अवसर पर तो ये संख्या डेढ़ लाख से ज्यादा हो जाती है। आज दुनिया भर में बसे लगभग हर सनातनी के मन में एक ही इच्छा है किसी तरह वह अयोध्या जाकर राम मंदिर के दर्शन कर सके। भगवान राम को शीश नवाए। हाल ही में हम पत्रकारों के एक सम्मेलन में अयोध्या जी में थे। रामलला के दर्शनों के लिए आ रही श्रद्धालुओं की भीड़ को देख मेरे एक साथी लखनऊ के वरिष्ठ पत्रकार दिनेश शर्मा ने कहा था कि अयोध्या जी आने वाले समय में हिंदुओं का प्रमुख श्रद्धा का केंद्र होगा। यहां प्रत्येक हिंदू-सनातनी आकर शीश नवाना अपने जीवन का एक लक्ष्य बनाएगा। शीश नवाकर अपने को कृतार्थ मानेगा। अयोध्या में राम मंदिर बनने से पहले कभी श्रद्धालुओं को संकरी गलियों से गुजरने के बाद टेढ़े मेढ़े और उभर खाबड़ रास्तों से गुजरकर मंदिर तक पहुंचना होता था। आम श्रद्धालुओं के लिए ये यात्रा और कितनी दुरूह रहती होगी, यह समझते बनता है। इस सबके बावजूद यहां आने वाले श्रद्धालुओं का उत्साह और जोश देखते बनता था। अब मंदिर परिसर बन गया। भव्य मंदिर बन गया। 25 नंवबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंदिर पर भव्य ध्वजारोहण करेंगे। भव्य समारोह होगा। इस आयोजन के प्रत्यक्षदर्शी बनने के लिए दुनिया भर से हजारों प्रमुख व्यक्ति आ रहे है। उम्मीद है कि ध्वजारोहण के दिन अयोध्या में वीवपीआईपी के एक सौ के आसपास जेट आएंगे। अयोध्या आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु इस बात को लेकर आंशकित होता हैं, कि इतनी भीड़ में दर्शन कैसे होंगे? पूजा कैसे होगी?

प्रसाद कैसे चढ़ेगा? सब चाहते हैं कि मंदिर आगमन की स्मृति फोटो के रूप में अपने पास सुरक्षित रखें। यहां स्थिति अन्य मंदिर से बिल्कुल भिन्न है। यहां न पूजा की व्यवस्था है, न प्रसाद चढ़ने का प्रबंध। यहां पूजन कराने वाले पुजारी भी नही है। यहां तो बस मंदिर आइए। रामलला के दर्शन करिए। प्रभु को शीश नवाइए और बाहर आ जाइए। यहां प्रसाद लेकर जाने की जरूरत नही है। मंदिर की ओर से प्रत्येक श्रद्धालु को प्रसाद मिलता है। मंदिर परिसर में मोबाइल वर्जित है। परेशानी उन्हें होती है जो सुरक्षा कर्मियों की नजर बचाकर मोबाइल मंदिर में लेकर जाना चाहते हैं। सुरक्षा जांच में मोबाइल पकड़ा जाता है। इन मोबाइल ले जाने वालों को लौटकर मंदिर के गेट पर आकर लॉकर में फोन रखकर फिर दर्शन को जाना पड़ता है। इस तरह इन्हें अन्य श्रद्धालुओं से एक डेढ़ किलोमीटर ज्यादा चलना होता है। मंदिर में अपना सामान करने के लिए लॉकर की व्यापक व्यवस्था है, किंतु इस काम में लगभग आधा घंटा लग जाता है। अच्छा यह है कि अपना पर्स, लैदर की बैल्ट, मोबाइल और कैमरा अपने कमरे पर छोड़ कर आए। अपनी आईडी और जरूरत के लिए रुपये अपनी जेब में रखलें। हमने ऐसा ही किया। इससे मंदिर के लॉकर में सामान जमा करने का हमारा आधे से एक घंटा बच गया। हम दर्शन कर 20 से 25 मिनट में मदिर से बाहर आ गए। व्हील चेयर लेने वालों और दिव्यांग के लिए तो और सुविधा है। उनका जाने का रास्ता अलग से है। भारत के उत्तर-प्रदेश राज्य में स्थित अयोध्या, जो पारंपरिक रूप से एक अलग त्वरित तीर्थ-नगर थी, अब आधुनिकता और भक्ति के संगम का उदाहरण बनती जा रही है। खास कर राम जन्मभूमि (जिसके अंतर्गत राम मंदिर का निर्माण हुआ) के बाद इस नगर में बड़े पैमाने पर विकास कार्य चल रहे हैं। ये कार्य सिर्फ धार्मिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक एवं पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण हैं। यहां 15-16 करोड़ के करीब यात्री अब प्रतिवर्ष आने लगे हैं। आने वाले समय में यह संख्या और बढ़ेगी ही। इस बढ़ती संख्या ने होटल, गेस्ट-हाउस, परिवहन-सेवाएँ, स्थानीय व्यापार व स्मृति-चिंतन (रङ्ग४५ील्ल्र१) उद्योग को गति दी है। अतः अयोध्या अब सिर्फ भक्ति-की जगह नहीं बल्कि एक सेवा-आधारित अर्थव्यवस्था (हॉस्पिटैलिटी, रिटेल, परिवहन) का केन्द्र बनती जा रही है। इस प्रकार मंदिर-के पश्चात अयोध्या की पहचान बदल रही है। अब अयोध्या भक्ति नगर से भक्ति + विकास नगर की ओर बढ़ रही है। विकास-यात्रा में पहुँचना और सहज अनुभव देना अहम है। इसलिए अयोध्या में कई बुनियादी संरचना-परियोजनाएँ लाई गई हैं। एयर-कनेक्टिविटी के लिए महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा का निर्माण हुआ है। इसमें आने वाले चरणों में टर्मिनल विस्तार व रनवे विस्तार भी शामिल है। अयोध्या में रेलवे स्टेशन व आधुनिकीकृत सड़कें बनायी गई हैं। अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन विश्व का श्रेष्ठतक रेलवे स्टेशन बनाने का प्रयास है। यहां यात्रियों के लिए तीन सौ के आसपास डार्मेट्री और कुछ रिटायरिंग रूम बनाये गए हैं।

स्मृति-पलाश की शादी से पहले नया ट्विस्ट ?: वायरल चैट्स ने अटकलों को बढ़ाया

मुंबई : केवल पलाश की बहन, सिंगर पलक मुछाल ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की, जिसमें लिखा था, 'स्वास्थ्य कारणों से शादी स्थगित की गई है, कृपया निजता का सम्मान करें।' हालांकि, न ही पलाश और न ही मंधाना ने कोई आधिकारिक बयान जारी किया है। दोनों लोगों की चुप्पी भी से चर्चा का बाजार गर्म है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना और फिल्ममेकर-कंपोजर पलाश मुछाल की शादी 23 नवंबर को महाराष्ट्र के सांगली में होने वाली थी। तैयारियां पूरी थीं। मेहमान पहुंच चुके थे, लेकिन ठीक उसी समय शादी अनिश्चितकाल के लिए रोक दी गई। आधिकारिक वजह तो परिवार के सदस्यों की स्वास्थ्य आपात स्थिति बताई गई, लेकिन सोशल मीडिया पर कहानी अब कुछ और मोड़ ले चुकी है। दो दिन में दो लोग अस्पताल में, लेकिन कहानी में ट्विस्ट ? पहले रिपोर्ट आई कि स्मृति के पिता श्रीनिवास मंधाना को संभावित हार्ट अटैक के लक्षणों के बाद अस्पताल ले जाया गया।

मुंबई कोर्ट पहुंचीं सेलिना जेटली, पति पर लगाया घरेलू हिंसा और क्रूरता का आरोप ; अदालत से की ये मांगें

बॉलीवुड की एक्ट्रेस सेलिना जेटली ने मुंबई की एक अदालत का रुख किया है। उन्होंने अपने पति पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया है। बॉलीवुड एक्ट्रेस सेलिना जेटली मुंबई की एक अदालत पहुंची हैं। उन्होंने अपने पति पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि उन्हें उनके पति पीटर हाग से इमोशनल, फिजिकल, सेक्सुअल और वर्बल अब्यूज का सामना करना पड़ा है। सेलिना ने पति पर लगाया आरोप सेलिना जेटली की अर्जी मंगलवार को अदालत में सुनवाई के लिए सामने आई। अदालत ने पीटर हाग को नोटिस जारी किया। इस मामले की सुनवाई 12 दिसंबर के लिए तय की। जेटली ने एक लॉ फर्म के जरिए याचिका दाखिल की। उन्होंने अपनी याचिका में पीटर हाग पर डोमेस्टिक वायलेंस एक्ट के प्रावधान के तहत घरेलू हिंसा और क्रूरता का आरोप लगाया। हिंसा की वजह से घर छोड़ना पड़ा 47 साल की एक्ट्रेस ने दावा किया कि उनके पति ने उन्हें शारीरिक और मानसिक तौर से प्रताड़ित किया। इसकी वजह से उन्हें ऑस्ट्रिया में अपना घर छोड़कर भारत वापस आना पड़ा। पूर्व मिस इंडिया ने याचिका में आरोप लगाया कि शादी के बाद उनके पति ने उन्हें काम करने से रोक दिया। इस कपल ने सितंबर 2010 में शादी की और उनके तीन बच्चे हैं। धर्मेंद्र के परिवार से इसलिए बात नहीं कर रहीं अमीषा पटेल, अस्पताल में आखिरी मुलाकात को भी किया याद पति ने दी तलाक की अर्जी याचिका में कहा गया, 'पीटर हाग अपने आप में रहने वाले इंसान हैं। वह गुस्सैल स्वभाव के हैं और उन्हें शराब पीने की आदत है। इससे सेलिना जेटली को तनाव होता रहा है।' याचिका में आगे कहा गया कि हाग ने इस साल अगस्त में ऑस्ट्रिया की एक अदालत में तलाक की अर्जी दी थी। सेलिना जेटली ने की ये मांगें सेलिना जेटली ने अदालत से मांग की है कि उनके पति 50 करोड़ रुपये मुआवजे के तौर पर और हर महीने 10 लाख रुपये गुजारा भत्ता दें। उन्होंने अपने तीन बच्चों से भी मिलने की इजाजत मांगी है, जो अभी ऑस्ट्रिया में अपने पिता के साथ रह रहे हैं।

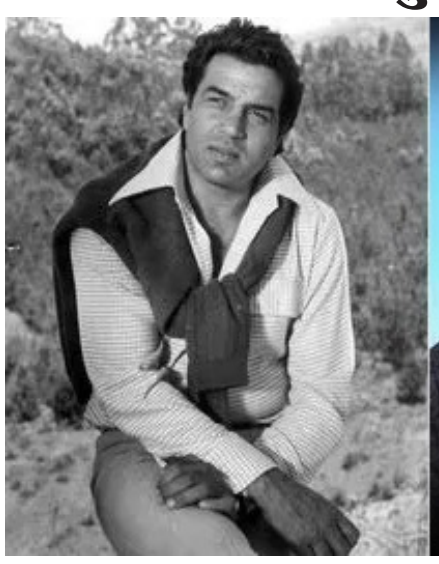

धर्मेंद्र जी का अंतिम संस्कार बिना राजकीय सम्मान के क्यों हुआ? जानें बड़ा कारण

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का 24 नवंबर 2025 को 89 साल की उम्र में निधन हो गया। 1935 में जन्मे धर्मेंद्र ने 1958 में टैलेंट हंट जीतकर बॉलीवुड में कदम रखा था। अपने लंबे करियर में 300 से अधिक फिल्मों में काम करने वाले धर्मेंद्र ने पॉलिटिक्स में भी कदम रखा और 2004 में बीकानेर से सांसद चुने गए। धर्मेंद्र को उनके शानदार योगदान के लिए पद्म भूषण और कई अन्य पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। इसके बावजूद, उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के बिना किया गया, जिसके पीछे परिवार की ओर से प्रशासन को समय पर सूचना न देने को मुख्य वजह बताया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, धर्मेंद्र के निधन की जानकारी प्रशासन को तुरंत नहीं दी गई। राजकीय सम्मान की प्रक्रिया में परिवार को सरकार को आधिकारिक प्रस्ताव भेजना होता है, जिसमें मृतक की उपलब्धियां और सार्वजनिक सेवा का विवरण होता है। लेकिन धर्मेंद्र के परिवार ने इस दिशा में कोई पहल नहीं की। अंतिम संस्कार की खबर मीडिया और इंडस्ट्री को तब मिली, जब उनका पार्थिव शरीर श्मशान घाट ले जाया जा रहा था। धर्मेंद्र की पत्नी हेमा मालिनी सीधे श्मशान घाट पहुंचीं। वहीं, सलमान खान, अमिताभ बच्चन और आमिर खान जैसे दिग्गज कलाकार अचानक जानकारी मिलने के बाद श्मशान घाट पहुंचे। शाहरुख खान अंत में पहुंचे, जब अंतिम संस्कार पूरा हो चुका था। धर्मेंद्र को सिनेमा में उनके योगदान के लिए 1997 में फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा गया। इसके बाद 2012 में उन्हें भारत सरकार की ओर से पद्म भूषण सम्मान मिला। राजकीय सम्मान पाने के लिए परिवार को प्रशासन को सूचना देनी होती है, साथ ही रिक्वेस्ट लेटर में मृतक की उपलब्धियों, पुरस्कार और सार्वजनिक सेवा का विवरण शामिल करना पड़ता है। परिवार की सहमति, डेथ सर्टिफिकेट और पहचान पत्र जैसे दस्तावेजों के बाद प्रशासन मृतक की उपलब्धियों को देखकर राजकीय सम्मान की मंजूरी देता है। मंजूरी मिलने पर सरकारी ऑफिसर्स की उपस्थिति में सलामी और गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाता है।

आखिरी फिल्म की शूटिंग के दौरान भी धर्मेंद्र की हालत थी बेहद खराब, ठीक से खड़े भी नहीं हो पाते थे एक्टर

धर्मेंद्र एक जीते-जागते लेजेंड थे। अपनी पहली फिल्म से ही उन्होंने देश को दिखा दिया कि वह इंडस्ट्री पर राज करने आए हैं, और वह हमेशा के लिए बॉलीवुड के श्एंग्री यंग मैनश बन गए। सुपरस्टार अपनी आखिरी सांस तक काम करना चाहते थे और उन्होंने शूटिंग जारी रखी। एक्टर की आखिरी फिल्म, इक्कीस दिसंबर 2025 में रिलीज होने वाली है। अब, उनके को-स्टार ने फिल्म की शूटिंग के दौरान धर्मेंद्र की हेल्थ को याद किया। धर्मेंद्र आखिरी बार श्रीराम राघवन की फिल्म इक्कीस में स्क्रीन पर दिखेंगे, जो दिसंबर 2025 में रिलीज होगी। फिल्म में धर्मेंद्र अगस्त्य नंदा के दादा, ब्रिगेडियर एमएल खेत्रपाल का रोल निभा रहे हैं। उनकी को-स्टार सुहासिनी मुले उनकी पत्नी का रोल कर रही हैं। छमू19 के साथ एक इंटरव्यू में, सुहासिनी मुले ने दिवंगत लेजेंड के साथ काम करने के अपने अनुभव और उम्र से जुड़ी दिक्कतों के बावजूद सेट पर उनके काम करने के तरीके के बारे में बात की। यह ध्यान देने वाली बात है कि धर्मेंद्र ने कभी भी अपने फैंस से अपनी हेल्थ प्रॉब्लम के बारे में बात नहीं की। वह हमेशा दुनिया को अपना शेर वाला अवतार दिखाते थे। सुहासिनी ने बताया कि भले ही धर्मेंद्र 89 साल के थे, लेकिन उन्होंने अपनी टाइमिंग की समझ नहीं खोई। उनके साथ छोटे-मोटे सीन थे, लेकिन उनमें भी उनकी टाइमिंग कमाल की थी। सुहासिनी ने सुपरस्टार के साथ अपनी पहली मुलाकात के बारे में भी बताया। उन्होंने बताया कि जब वे पहली बार मिले, तो धर्मेंद्र एक कुर्सी पर बैठे थे, लेकिन जैसे ही उन्होंने उन्हें देखा, वे मुश्किल से उठे और अपनी कुर्सी उन्हें दे दी, और जब वह खड़ी थीं तो वे बैठे नहीं। सुहासिनी ने बताया- मैंने उनसे बैठने के लिए कहा और कहा कि मैं दूसरी कुर्सी मांग लूंगी। लेकिन उन्होंने मुझसे कहा, आप बैठेंगी, तभी मैं बैठूंगा, नहीं तो मैं कैसे बैठ सकता हूँ? सुहासिनी ने आगे बताया कि वह उनके सुपरस्टारडम से बहुत खुश थीं। उन्होंने बताया कि धर्मेंद्र 89 साल के थे, इसलिए वह ज्यादा देर तक खड़े नहीं रह सकते थे। इसलिए, उनके फैन उनके पास आकर बैठते थे और उनके ऑटोग्राफ लेते थे। वे उनके साथ बैठकर फोटो भी लेते थे, और वह उन्हें कभी भगाते नहीं थे।

'मैं एक कैंसर सर्वाइवर हूं', नैचुरोपैथी का समर्थन करने के बाद हुई ट्रोलिंग पर सोनाली बेंद्रे ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने कहा कि उनके कैंसर के उपचार में नेचुरोपैथी ने काफी मदद की। इस पर मेडिकल प्रोफेशनल्स ने सवाल उठाए हैं। मामला बढ़ने पर सोनाली बेंद्रे ने इस पर चुप्पी तोड़ी है।

सोनाली बेंद्रे कैंसर सर्वाइवर हैं। उन्होने 2018 में इस खतरनाक बीमारी के खिलाफ जंग लड़ी। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि कैंसर से जंग में नेचुरोपैथ भी उनके लिए काफी मददगार साबित हुई। इसके बाद वे मेडिकल प्रोफेशनल्स के निशाने पर आ गईं। डॉक्टर साइरिएक एबी फिलिप्स ने उनकी कड़ी आलोचना की है। उन्होंने सोनाली की पोस्ट पर सवाल उठाते हुए कहा कि, 'आपका कैंसर कीमोथेरेपी, रेडिएशन और सर्जरी से ठीक हुआ, ना कि नेचुरोपैथी से'। आलोचनाओं और सवाल के बाद सोनाली बेंद्रे ने चुप्पी तोड़ी है और सोशल मीडिया पर एक और पोस्ट शेयर किया है। सोनाली ने नेचुरोपैथी को लेकर क्या कहा था? सोनाली बेंद्रे ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किए गए एक पोस्ट में लिखा था, 'साल 2018 में जब मुझे कैंसर का पता चला तो मेरे नेचुरोपैथ ने मुझे ऑटोफैगी नाम की एक स्टडी के बारे में बताया। इसने मेरी रिकवरी में बहुत बड़ी भूमिका निभाई, इसलिए मैंने इसे पढ़ा, सीखा, प्रयोग किया और धीरे-धीरे इसे अपने रूटीन में शामिल कर लिया। मैं तब से इसे फॉलो कर रही हूं'। सोनाली के इस सवाल पर डॉक्टर्स ने सवाल उठा दिए। डॉक्टर साइरिएक एबी फिलिप्स ने एक लंबा-चौड़ा पोस्ट शेयर कर किया। बता दें कि डॉक्टर साइरिएक एबी फिलिप्स भारतीय हेपेटोलॉजिस्ट हैं, जो सोशल मीडिया पर 'द लिवर डॉक' के नाम से जाने जाते हैं। विरोध के बाद सोनाली ने तोड़ी चुप्पी विरोध के बाद सोनाली ने अब एक अन्य पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा है, 'हम सभी का सहमत होना जरूरी नहीं है, लेकिन हमें एक-दूसरे को सिर्फ इसलिए खारिज करने से बचना चाहिए क्योंकि हम अलग-अलग तरीकों की तरफ झुकते हैं'। सोनाली लिखती हैं, 'मैंने कभी डॉक्टर होने का दावा नहीं किया, लेकिन मैं पक्का कोई नीम-हकीम भी नहीं हूं। मैं एक कैंसर सर्वाइवर हूं, जिसने इस बीमारी से होने वाले डर, दर्द, अनिश्चितता और फिर से बनने की प्रक्रिया को झेला है'। कहा- 'हर इंसान को वही चुनना चाहिए, जो उसे सही और सुरक्षित लगे' अभिनेत्री ने आगे लिखा है, 'मैंने जो कुछ भी कहा है, वह मेरा अनुभव और सीख है। जैसा कि मैंने बार-बार कहा है कि कोई भी दो कैंसर एक जैसे नहीं होते और कोई भी इलाज का तरीका एक जैसा नहीं होता। पूरी रिसर्च और मेडिकल गाइडेंस के बाद, मैंने खुद जिन कई प्रोटोकॉल को एक्सप्लोर किया, उनमें से एक ऑटोफैगी था। इससे मेरे लिए तब फर्क पड़ा और आज भी यह मेरे लिए प्रभावी है। जो बात सच में मायने रखती है, वह है खुली, इज्जतदार तरीके से बातचीत। हम सभी का सहमत होना जरूरी नहीं है, लेकिन हमें एक-दूसरे को सिर्फ इसलिए खारिज करने से बचना चाहिए, क्योंकि हमारा झुकाव उपचार के अलग-अलग तरीकों की तरफ है। हर इंसान को वही चुनना चाहिए, जो उसे सही, सुरक्षित और मजबूती देने वाला लगे'।

'अगर कभी कोई खटपट न हो, तो रिश्ते उबाऊ लगते हैं', परिवार को समय देने के सवाल पर बोले मनोज बाजपेयी

द फैमिली मैन' में नजर आ रहे मनोज बाजपेयी ने अपने करियर और जिंदगी को लेकर अमर उजाला से कई पहलुओं पर बात की है। मनोज ने क्या कुछ कहा, चलिए जानते हैं। 'द फैमिली मैन' के तीसरे पार्ट में इन दिनों नजर आ रहे अभिनेता मनोज बाजपेयी ने हाल ही में अमर उजाला से बात करते हुए कई पहलुओं पर बात की है। खास बातचीत में मनोज ने किरदार, ओटीटी के दौर, परिवार और इंडस्ट्री की चुनौतियों पर खुलकर बात की। पढ़ें मनोज ने क्या कुछ कहा। इतने साल बाद जयदीप अहलावत के साथ स्क्रीन शेयर करने का अनुभव बताएं उसके साथ मैंने पहली बार जिस फिल्म में काम किया था, वो थी चिट्टागोंग। उस फिल्म में सिर्फ वही नहीं बल्कि कई और लोग भी थे जो मेरे एफटीआईआई के बैचमेट थे - राजकुमार राव, विजय वर्मा्य्ये सब। वहीं से मैंने जयदीप को जाना। दरअसल, उस समय जब अनुराग से मेरी बात होती थी, तो उसकी एक आदत मैंने नोटिस की थी। जब भी हम बात करते और अगर वो कोई नई फिल्म बना रहा होता, तो मुझसे हमेशा एक रेकमेंडेशन मांगता था। अगर उसे किसी तरह का एक्टर चाहिए होता है, तो पूछ लेता है कि कौन इस रोल के लिए ठीक रहेगा। तो उस दिन भी बात हो रही थी और मैंने जयदीप का नाम सुझाया था। राजकुमार और विजय के बारे में उसे पहले से पता था। उस समय से मैं इन लोगों को जानता हूं। इनके शुरूआती दौर से जानता हूं। इसलिए एक जान-पहचान भी है और ये लोग मुझे इज्जत भी बहुत देते हैं। एक अच्छा संबंध है- एक्टर वाला संबंध। सीनियर और जूनियर दोनों तरह का रिश्ता है। जब सेट पर आप और जयदीप साथ होते थे, तो माहौल कैसा रहता था? सेट पर माहौल काफी अच्छा रहता था। ऑफ कैमरा भी हल्की-फुल्की बातें होती थीं। सच कहूं तो मैं ज्यादातर जब बात करता हूं, तो खाने की ही बात करता हूंङ्ग नहीं तो मैं अपने काम में डूबा रहता हूं। जब अगला शॉट होना होता, तो मेरा फोकस पूरी तरह उसी पर होता था और बीच-बीच में थोड़ी हंसी-मजाक भी हो जाती थी।

धर्मेंद्र के निधन पर इस पाकिस्तानी खिलाड़ी ने कह दी ये बड़ी बात, वायरल हुआ बयान

हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनका जाना केवल एक अभिनेता को खोने जैसा नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा के एक सुनहरे दौर का अंत माना जा रहा है। धर्मेंद्र को फिल्म इंडस्ट्री में उनके बहुआयामी करियर और अभिनय के लिए हमेशा याद किया जाएगा। उनका निधन भारत ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान समेत कई पड़ोसी देशों में भी दुख का कारण बना। पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर कप्तान राशिद लतीफ ने धर्मेंद्र के निधन पर भावुक संदेश दिया। उन्होंने कहा, धर्मेंद्र जी एक लेजेंडरी हीरो थे। शोले जैसी क्लासिक फिल्म आज भी हमारे दिल में बसती है। वह भारत ही नहीं, पाकिस्तान में भी बेहद लोकप्रिय थे। उनकी विरासत हमेशा याद रहेगी। धर्मेंद्र को कुछ दिन पहले सांस लेने में परेशानी के कारण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट दिया गया और हालत में सुधार होने पर उन्हें जुहू स्थित घर भेजा गया था। लेकिन सोमवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। धर्मेंद्र का जन्म 1935 में पंजाब के फगवाड़ा में हुआ था। 1960 के दशक में टैलेंट हंट के जरिए उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा। उन्होंने एक्शन, रोमांस और कॉमेडी सभी जॉनर में अपनी पहचान बनाई और पांच दशक से अधिक समय तक इंडस्ट्री पर राज किया। पद्म भूषण से सम्मानित धर्मेंद्र की सादगी, अभिनय और स्टाइल ने उन्हें हिंदी सिनेमा का हीमैन बना दिया।

श्रीकांत ने टेस्ट चयन पर उठाए सवाल, कोच गंभीर की आलोचना की; बोले- मुझे फर्क नहीं पड़ता

नई दिल्ली: श्रीकांत ने गंभीर की चयन नीति को पूरी तरह बेतुका और असंगत बताया। गुवाहाटी टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका ने बड़ी बढ़त ले ली है और भारत पर सीरीज हार का खतरा मंडरा रहा है। भारत के पूर्व कप्तान और पूर्व मुख्य चयनकर्ता कृष्णमाचारी श्रीकांत ने मौजूदा मुख्य कोच गौतम गंभीर की आलोचना की है। गुवाहाटी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में भारत के मात्र 201 रन पर सिमटने के बाद श्रीकांत ने गंभीर की चयन नीति को पूरी तरह बेतुका और असंगत बताया। गुवाहाटी टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका ने बड़ी बढ़त ले ली है और भारत पर सीरीज हार का खतरा मंडरा रहा है। श्रीकांत ने प्रयोग पर उठाए सवाल श्रीकांत ने अपने यू-ट्यूब पर कहा, हर दूसरे मैच में कोई नया खिलाड़ी डेब्यू कर रहा है। ये ट्रायल और एरर चल रहा है। गौतम गंभीर जो मर्जी बहाने बनाएं, मैं सुनने को तैयार नहीं हूं। मैं पूर्व कप्तान और पूर्व मुख्य चयनकर्ता रह चुका हूं, मुझे अच्छे से पता है कि मैं क्या बोल रहा हूं। टेस्ट क्रिकेट में निरंतरता चाहिए, ये प्रयोगशाला नहीं है। श्रीकांत ने आंकड़े देकर गंभीर को घेरा। उन्होंने बताया कि गंभीर के कोच बनने के बाद सिर्फ एक साल में 24 खिलाड़ियों को टेस्ट टीम में आजमाया गया।

अमीरों के देश छोड़ने पर बोले ब्रिटिश मंत्री, कहा- ये चिंता की बात, पर केवल पैसे वालों का हित नहीं देख सकते

नई दिल्ली : ब्रिटेन के व्यापार और वाणिज्य मंत्री पीटर काइल ने चिंता जताई कि देश के कुछ सबसे अमीर लोग, जिनमें भारतीय मूल के अरबपति स्टील उद्योगपति लक्ष्मी एन मित्तल भी शामिल हैं ब्रिटेन छोड़ रहे हैं। काइल ने कहा कि जब भी कोई व्यक्ति महसूस करता है कि उसे यूके छोड़ना पड़ेगा ताकि वह आगे बढ़ सके, तो यह चिंता की बात होती है। आइए विस्तार से जानते हैं। ब्रिटेन में लेबर सरकार की टैक्स नीतियों का असर अब साफ नजर आने लगा है। ब्रिटेन के व्यापार और वाणिज्य मंत्री पीटर काइल ने स्वीकार किया कि देश के कुछ सबसे अमीर लोग, जिनमें भारतीय मूल के अरबपति स्टील उद्योगपति लक्ष्मी एन मित्तल भी शामिल हैं ब्रिटेन छोड़ रहे हैं। काइल ने कहा कि शीर्ष अमीर वर्ग का देश छोड़ना चिंताजनक है। मित्तल ने अपनी टैक्स रेजिडेंसी स्विट्जरलैंड में शिफ्ट की काइल से पूछा गया कि सप्ताहांत में आई उस मीडिया रिपोर्ट पर उनकी क्या राय है, जिसमें दावा किया गया था कि मित्तल ने अपनी टैक्स रेजिडेंसी स्विट्जरलैंड में शिफ्ट कर ली है और जल्द ही वे दुबई जाने की योजना बना रहे हैं। काइल का तर्क काइल ने कहा कि जब भी कोई व्यक्ति महसूस करता है कि उसे यूके छोड़ना पड़ेगा ताकि वह आगे बढ़ सके, तो यह चिंता की बात होती है। उन्होंने कहा कि मुद्दा सिर्फ अरबपतियों का नहीं है। हम अभी उस दौर से निकले हैं, जब हजारों डॉक्टर देश छोड़कर चले गए। मैं नहीं चाहता कि हम सिर्फ अरबपतियों पर ध्यान दें, क्योंकि कई दूसरे लोग भी मजबूर होकर यूके छोड़ रहे हैं। काइल ने यह भी साफ किया कि समस्या सिर्फ टैक्स तक सीमित नहीं है। कई उद्यमी और स्टार्टअप फाउंडर अमेरिका चले गए, क्योंकि उन्हें यहां बढ़ने के लिए जरूरी फंडिंग नहीं मिली। हमने मार्केट को फिर से मजबूत करके इस तरह की मजबूरी को खत्म करने की दिशा में कदम उठाया है। क्या लेबर पार्टी की कर व्यवस्था अति-धनवानों के पलायन का कारण? जब उनसे पूछा गया कि क्या सरकार मानती है कि लेबर पार्टी की कर व्यवस्था ही अति-धनवानों के पलायन का कारण है, तो उन्होंने जवाब दिया कि हां, मैं मानता हूं। मैं इस तथ्य से मुंह नहीं मोड़ूंगा कि हमने कर बढ़ाए हैं और हमने गैर-निवासी लोगों के लिए कुछ रास्ते बंद कर दिए हैं। मित्तल हैं ब्रिटेन के आठवें सबसे अमीर उद्यमी मित्तल देश छोड़ने वाले उन प्रमुख उद्यमियों में शामिल हैं, जिनका नाम द संडे टाइम्स ने हाल में प्रकाशित रिपोर्ट में दिया है। वार्षिक अमीर सूची के अनुसार अनुमानित 15.4 बिलियन पाउंड है। इनहेरिटेंस टैक्स है सबसे बड़ी समस्या आर्सेलर मित्तल के संस्थापक और ब्रिटेन के आठवें सबसे अमीर व्यक्ति मित्तल के सलाहकार ने कहा कि समस्या इनकम टैक्स या कैपिटल गेन टैक्स नहीं, बल्कि इनहेरिटेंस टैक्स है। ब्रिटेन में मौत के बाद संपत्ति पर 40% तक टैक्स लगता है, जबकि स्विट्जरलैंड और दुबई में इस पर कोई कर नहीं है। इस वजह से कई विदेशी अमीरों को ब्रिटेन छोड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं दिख रहा। दूसरा बजट पेश करने के बीच आया यह विवाद यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब चांसलर रैचल रीव्स बुधवार को अपना दूसरा बजट पेश करने वाली हैं। अनुमान है कि सरकार लगभग 20 अरब पाउंड की कमी को पूरा करने के लिए और टैक्स बढ़ा सकती है। इस बीच खजाना विभाग पर बजट से पहले लगातार टैक्स-संबंधी लीक के आरोप लग रहे हैं, जिन पर विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी जांच की मांग कर रही है।

दाह संस्कार के लिए 500 किमी दूर ले गया भाई, आग लगने से पहले ताबूत में हुई दस्तक, जिंदा निकली महिला

बैंकॉक : मंदिर के कर्मचारी ने बताया कि मैं थोड़ा हैरान था, इसलिए मैंने उनसे ताबूत खोलने को कहा और सब चौंक गए। उन्होंने कहा कि मैंने देखा कि उसने अपनी आंखें थोड़ी खोलीं और ताबूत के किनारे पर दस्तक दी। वह शायद काफी देर से दस्तक दे रही होगी। थाईलैंड में एक महिला का दाह संस्कार किए जाने से पहले अचानक ताबूत में दस्तक हुई। इसके बाद जब ताबूत खोलकर देखा गया तो उसमें महिला जिंदा निकली। इस घटना से मंदिर के कर्मचारियों भी चौंक गए। अंतिम संस्कार के लिए लाए जाने के बाद महिला अपने ताबूत में हिलने लगी थी। बैंकॉक के बाहरी इलाके में नोनथाबुरी प्रांत में स्थित बौद्ध मंदिर वाट रत प्रखोंग थाम ने अपने फेसबुक पेज पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें एक महिला को एक पिकअप ट्रक के पीछे सफेद ताबूत में लेटे हुए दिखाया गया है, जो अपने हाथों और सिर को थोड़ा हिला रही है, जिससे मंदिर के कर्मचारी हैरान रह गए। मंदिर के सामान्य और वित्तीय मामलों के प्रबंधक, पायरत सूदथूप ने सोमवार को बताया कि 65 वर्षीय महिला का भाई उसे दाह संस्कार के लिए फिट्सानुलोक प्रांत से गाड़ी में लेकर आया था। उन्होंने बताया कि उन्होंने ताबूत से हल्की सी दस्तक सुनी। मंदिर के कर्मचारी ने बताया कि मैं थोड़ा हैरान था, इसलिए मैंने उनसे ताबूत खोलने को कहा और सब चौंक गए। उन्होंने कहा कि मैंने देखा कि उसने अपनी आंखें थोड़ी खोलीं और ताबूत के किनारे पर दस्तक दी। वह शायद काफी देर से दस्तक दे रही होगी। पायरत के मुताबिक उसके भाई ने बताया कि उसकी बहन लगभग दो साल से बिस्तर पर थी। अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी और वह बेहोश हो गई। ऐसा लगा जैसे दो दिन पहले उसकी सांसें थम गई हों। फिर भाई ने उसे एक ताबूत में रखा और 500 किलोमीटर का सफर तय करके बैंकॉक के एक अस्पताल पहुंचा, जहां महिला ने अपने अंगदान की इच्छा जताई थी। पायरत ने बताया कि अस्पताल ने भाई के प्रस्ताव को स्वीकार करने से इनकार कर दिया, क्योंकि उसके पास आधिकारिक मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं था। उनके मंदिर में मुफ्त दाह संस्कार की सुविधा है, इसलिए भाई ने रविवार को उनसे संपर्क किया, लेकिन दस्तावेज न होने के कारण उन्हें भी मना कर दिया गया। मंदिर प्रबंधक ने बताया कि जब वह उसे मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने का तरीका समझा रहे थे, तभी उन्हें ताबूत से दस्तक सुनाई दी। फिर उन्होंने उसकी जांच की और उसे पास के अस्पताल भेज दिया।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक/फ्रेट, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ0रे0–मण्डल–वाणिज्य/उ0रे0
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	PnU-LKO-BSB-WRL-105-24-1 (Pay and Use-Lounges/Waiting/Retiring/Cloak Rooms)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	24.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	09.12.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	09.12.2025 at 11:30 hrs.
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहां पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3661/25

शांति की कवायद के बीच यूक्रेन में रूस का एक्शन

कीव : रूस ने कीव पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिनमें छह लोगों की मौत हुई और ऊर्जा ढांचा प्रभावित हुआ। इसी दौरान अमेरिका और रूस अबू धाबी में शांति योजना पर चर्चा कर रहे हैं, जबकि यूक्रेन भी वार्ता को लेकर आशावादी है। यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस के ताजा हमलों ने एक बार फिर युद्ध को लेकर बढ़ती अनिश्चितता को सामने ला दिया है। कम से कम छह लोग मारे गए और कई इलाकों की ऊर्जा आपूर्ति बाधित हुई है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका की ओर से शांति योजना पर जारी बातचीत नए मोड़ पर पहुंच रही है और युद्ध को खत्म करने के लिए कूटनीतिक प्रयास तेज हुए हैं। अमेरिकी आर्मी सेक्रेटरी डैन ड्रिस्कॉल ने अबू धाबी में रूसी अधिकारियों के साथ कई घंटे वार्ता की। वे हाल ही में अमेरिकी टीम में शामिल हुए हैं और शांति समझौते की शर्तों पर चर्चा का नेतृत्व कर रहे हैं। एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक यूक्रेन इन बातचीत से अवगत है और सभी पक्ष जल्द से जल्द संघर्ष रोकने के लिए एक रास्ता तलाशना चाहते हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भी कहा कि जिनेवा में हुए अमेरिकी-यूक्रेनी प्रतिनिधियों के बीच संवाद के बाद समाधान की दिशा में कदम संभव दिख रहे हैं। कीव में तबाही और नागरिकों की चिंता रूस ने रातभर में 22 मिसाइलें और 460 से अधिक ड्रोन दागे। कीव के कई हिस्सों में पानी, बिजली और हीट सप्लाई बाधित हो गई। पूर्वी दिनीप्रोवस्की जिले में एक नौ मंजिला इमारत धू-धू कर जल उठी। मेयर विटाली क्लिचको ने बताया कि इस क्षेत्र में दो लोगों की मौत हुई। 90 वर्षीया ल्यूबोव पेत्रिवना ने बताया कि उनके घर का सब कुछ टूट गया और उन पर कांच बरसा। उन्हें शांति योजना पर भरोसा नहीं है। उनका कहना है कि पुतिन तब तक नहीं रुकेंगे जब तक सब खत्म न कर दें। दोनों तरफ बढ़ी जवाबी कार्रवाई इसी बीच यूक्रेन के ड्रोन हमले में दक्षिण रूस के रोस्तोव क्षेत्र में तीन लोगों की मौत हुई और आठ घायल हुए। टैगानरोग शहर में कई घर, बहुमंजिला इमारतें, एक वेयरहाउस और अन्य ढांचे क्षतिग्रस्त हुए। रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार 249 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए गए, जिनमें 116 ब्लैक सी क्षेत्र में थे। यह रूस पर अब तक के चौथे सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक बताया गया। रोमानिया-मोल्दोवा में ड्रोन की घुसपैठ यूक्रेन के ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि कई ऊर्जा प्रतिष्ठान हमलों की चपेट में आए, जबकि ओडेसा क्षेत्र में बंदरगाह और ऊर्जा ढांचे पर हमले में दो बच्चों सहित छह लोग घायल हुए। पड़ोसी रोमानिया और मोल्दोवा ने बताया कि कुछ ड्रोन उनके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन कर गए। यह घटनाएं क्षेत्र में संघर्ष के व्यापक असर को दिखाती हैं। यूरोपीय नेताओं की चेतावनी स्विट्जरलैंड में अमेरिकी और यूक्रेनी प्रतिनिधियों के बीच हुई चर्चाओं को रचनात्मक बताया गया है, लेकिन यूरोपीय नेताओं ने चेताया है कि शांति का रास्ता आसान नहीं होगा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि अमेरिका की योजना सही दिशा में है, लेकिन यह किसी भी रूप में समर्पण नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यूक्रेन की सुरक्षा और उसकी सेना की क्षमता सीमित नहीं होनी चाहिए। मैक्रों के अनुसार एकमात्र पक्ष जो शांति नहीं चाहता, वह रूस है।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक/पी.एस., उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ.रे.–मण्डल–वाणिज्य/उ.रे.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ADVT-LKO-LLJ-OH-560-25-1 (Advertising -Out of Home)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	13.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	29.11.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	29.11.2025 समय 10:30 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	MSS-LKO-BSB-DigiL-103-25-1(Misc-Static Services -Digital lockers at station)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	13.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	29.11.2025 समय10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	29.11.2025 समय 10:40 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	MSS-LKO-PYGS-MCK-64-24-1(Misc-Static-Services -Digital Mobile Charging Kiosks)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	13.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	29.11.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	29.11.2025 समय 10:50 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	MSS-LKO-PRG-MCK-65-24-1(Misc-Static-Services -Digital Mobile Charging Kiosks)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	13.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	29.11.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	29.11.2025 समय 11:00 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	MSS-LKO-PRG-THDPK-92-24-3(Misc-Static-Services -Travel Help Desk/Travelers Information and Promotional Kiosk)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	13.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	29.11.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	29.11.2025 समय 11:10 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	MSS-LKO-LKO-THDPK-94-24-1(Misc-Static-Services- Travel Help Desk /Travelers Information and Promotional Kiosk)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	13.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	29.11.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	29.11.2025 समय 11:20 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	MSS-LKO-PRG-PSKsk-90-24-1(Misc-Static-Services-Pooja Samagri Kiosk)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	13.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	29.11.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	29.11.2025 समय 11:30 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ADVT-Int-248107-1-25-1(Advertising-Train Interior)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	18.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	03.12.2025 समय 13:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	03.12.2025 समय 13:30 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ADVT-LKO-ML-OH-591-25-1 (Advertising-Out of Home)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	18.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	03.12.2025 समय 13:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	03.12.2025 समय 13:40 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ADVT-LKO-TPNR-OH-594-25-1 (Advertising-Out of Home)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	18.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	03.12.2025 समय 13:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	03.12.2025 समय 13:50 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ADVT-LKO-BBK-OH-587-25-1 (Advertising-Out of Home)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	18.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	03.12.2025 समय 13:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	03.12.2025 समय 14:00 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ADVT-IntExt-96839-1-24-1 (Advertising-Train Interior and Exterior)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	18.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	03.12.2025 समय 13:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	03.12.2025 समय 14:10 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ADVT-IntExt-174932-1-24-1(Advertising-Train Interior and Exterior)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	18.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	03.12.2025 समय 13:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	03.12.2025 समय 14:20 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ADVT-IntExt-108892-1-24-1(Advertising-Train Interior and Exterior)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	18.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	03.12.2025 समय 13:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	03.12.2025 समय 14:30 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ADVT-IntExt-132756-1-24-1(Advertising-Train Interior and Exterior)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	18.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	03.12.2025 समय 13:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	03.12.2025 समय 14:40 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ADVT-IntExt-131082-1-24-3(Advertising-Train Interior and Exterior)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	18.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	03.12.2025 समय 13:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	03.12.2025 समय 14:50 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ADVT-IntExt-109933-1-24-1(Advertising-Train Interior and Exterior)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	18.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	03.12.2025 समय 13:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	03.12.2025 समय 15:00 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ADVT-IntExt-250808-1-24-2(Advertising-Train Interior and Exterior)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	18.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	03.12.2025 समय 13:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	03.12.2025 समय 15:10 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ADVT-IntExt-121998-1-24-2(Advertising-Train Interior and Exterior)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	18.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	03.12.2025 समय 13:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	03.12.2025 समय 15:20 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ADVT-IntExt-155465-1-24-1(Advertising-Train Interior and Exterior)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	18.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	03.12.2025 समय 13:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	03.12.2025 समय 15:30 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ADVT-IntExt-155464-1-24-1(Advertising-Train Interior and Exterior)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	18.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	03.12.2025 समय 13:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	03.12.2025 समय 15:40 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ADVT-IntExt-197330-1-24-1(Advertising-Train Interior and Exterior)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	18.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	03.12.2025 समय 13:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	03.12.2025 समय 15:50 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ADVT-LKO-PRG-OH-602-25-1 (Advertising-Out of Home)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	19.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	04.12.2025 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	04.12.2025 समय 11:30 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	MSS-LKO-BSB-PSKsk-96-24-1(Misc-Static-Services-Pooja Samagri Kiosk)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	19.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	04.12.2025 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	04.12.2025 समय 11:40 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ADVT-LKO-LKO-OH-548-25-2 (Advertising-Out of Home)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	21.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	09.12.2025 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	09.12.2025 समय 12:10 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	MSS-LKO-LKO-DigiL-66-24-4(Misc-Static-Services-Digital lockers at station)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	21.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	09.12.2025 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	09.12.2025 समय 12:20 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	MSS-LKO-BOY-RCR-143-25-1(Misc-Static-Services -Rail Coach Restaurant)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	21.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	09.12.2025 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	09.12.2025 समय 12:30 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	MSS-LKO-PFM-RCR-133-25-1(Misc-Static-Services-Rail Coach Restaurant)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	21.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	09.12.2025 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	09.12.2025 समय 12:40 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	MSS-LKO-AME-RCR-142-25-1(Misc-Static-Services-Rail Coach Restaurant)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	21.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	09.12.2025 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	09.12.2025 समय 12:50 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	MSS-LKO-LKO-RCR-140-25-1(Misc-Static-Services-Rail Coach Restaurant)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	21.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	09.12.2025 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	09.12.2025 समय 13:00 बजे
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3646/25

घर पर नजरबंद पूर्व राष्ट्रपति बोलसोनारो ने निगरानी उपकरण से की छेड़छाड़, अब जेल में बंद किए गए

साओ पाउलो : पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो पर 2022 के चुनाव में लुइज इनासियो लूला डीसिल्वा से हारने के बाद सत्ता में बने रहने के लिए तख्तापलट की कोशिश का आरोप है, जिसके तहत उन्हें 27 साल की कैद की सजा सुनाई गई है। उन्हें फिलहाल उनके घर पर ही नजरबंद किया गया था। ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सजायाफ्ता पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो की हिरासत को बरकरार रखते हुए उनके खिलाफ सख्ती दिखाई है। कोर्ट का यह फैसला बोल्सोनारो के उस कबूलनामे के बाद आया, जिसमें उन्होंने घर में नजरबंदी के दौरान अपनी एड़ी पर लगाए गए निगरानी उपकरण को तोड़ने की कोशिश की बात स्वीकार की। अदालत ने इसे फरार होने और 27 साल की सजा से बचने का प्रयास माना। 70 वर्षीय बोल्सोनारो को गिरफ्तारी के बाद शनिवार सुबह ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में संघीय पुलिस मुख्यालय में जेल में रखा गया था। सुप्रीम कोर्ट की चार जजों की बेंच ने सर्वसम्मति से तय किया कि उन्हें एहतियाती हिरासत में ही रखा जाए। शनिवार को गिरफ्तारी का वारंट जारी करने वाले जस्टिस अलेसांद्रे दे मोरायस ने कहा कि बोल्सोनारो फरार होने का जोखिम पैदा करते हैं। पूर्व राष्ट्रपति पर 2022 के चुनाव में लुइज इनासियो लूला डीसिल्वा से हारने के बाद सत्ता में बने रहने के लिए तख्तापलट की कोशिश का आरोप है, जिसके तहत उन्हें 27 साल की कैद की सजा सुनाई गई है। दे मोरायस के फैसले को उनके साथी जज फ्लावियो डीनो, क्रिस्टियानो जैनिन और कार्मेन लूसिया ने ऑनलाइन सत्र के दौरान मंजूरी दी। रविवार को इस मामले में सुनवाई के दौरान बोल्सोनारो ने एक सहायक जज से कहा कि दवाइयों में बदलाव के कारण उन्हें घबराहट और भ्रम की स्थिति हुई और उनकी मानसिक हालत बिगड़ गई। इसके चलते उन्होंने निगरानी उपकरण तोड़ने की कोशिश की। उनके डॉक्टरों और वकीलों ने यही दावा दोहराया। हालांकि, अपने आदेश में जज मोरायस ने लिखा कि बोल्सोनारो ने गंभीर अनुचित व्यवहार में मॉनिटर तोड़ने की बात स्वीकार की है। वे लगातार एहतियाती शर्तों का उल्लंघन कर रहे हैं और अदालत के प्रति स्पष्ट निरादर दिखा रहे हैं।₹ जज को बताया गया कि एड़ी पर लगे उपकरण को शनिवार को स्थानीय समयानुसार 12.08 बजे छेड़ा गया था, जिसके कुछ घंटे बाद गिरफ्तारी का आदेश जारी किया गया। बोल्सोनारो अगस्त से घर में नजरबंदी पर थे। शनिवार को यह जानकारी सामने आने के बाद से समर्थक व विरोधी दोनों देशभर के कई शहरों में सड़कों पर उतर आए हैं। हालांकि, सोमवार को बारिश के बीच ब्रासीलिया में संघीय पुलिस मुख्यालय के सामने कुछ ही प्रदर्शनकारी नजर आए। सड़क से गुजरते वाहन चालक भी कभी बोल्सोनारो के खिलाफ तो कभी लूला के समर्थन में हॉर्न बजाते रहे। ब्राजील में बोल्सोनारो के नाम पर सियासत तेज संसद का सत्र फिर से शुरू होने के साथ ही तनावपूर्ण सप्ताह की तैयारी चल रही है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यो के लिये मुहरबन्द "खुली निविदा" वरिष्ठ मण्डल सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है:–

निविदा नोटिस संख्या: 47 वर्ष 2025, कार्य का विवरण: लखनऊ मंडल में 50000 से अधिक टीवीयू वाले 02 No. LC गेट (156/C GK-PD और 308/C BUW-BUR) की इंटरलॉकिंग। अनुमानित लागत: ₹ 95,76,261.24, बयाना राशि: ₹ 1,91,500/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: ₹ 00.00, कार्य समापन अवधि: 180 दिन। **निविदा नोटिस संख्या:** 46 वर्ष 2025, कार्य का विवरण: LC 58 Spl (BVN) एवं LC 89 B (STP-TKUR) पर प्रस्तावित आरओबी के संबंध में सिग्नल केबल शिफ्टिंग कार्य एवं सर्किट परिवर्तन। अनुमानित लागत: ₹ 72,90,341.85, बयाना राशि: ₹ 1,45,800/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: ₹ 00.00, कार्य समापन अवधि: 180 दिन। (1) निविदाओं के बंद होने की अंतिम तिथि एवं समय 16-12-2025 at 15:00 hrs.

नोट: इस निविदा के विरूद्ध मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु, कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट *http://www.ireps.gov.in* को देखें।

मं०रे०प्र० (सिग० एवं दूर० सं०)/ लखनऊ

मुजाधि/सिगनल-66

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

खालिस्तान जनमत-संग्रह पर भारत का सख्त प्रहार, उच्चायुक्त बोले- कनाडा समझे इसका कैसा असर होगा

ओटावा : कनाडा में भारत के शीर्ष राजनयिक दिनेश पटनायक ने ओटावा में हुए खालिस्तान जनमत-संग्रह को 'नाटक जैसा कार्यक्रम' बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध ठीक है, लेकिन ऐसे कदम भारत में कनाडा की दखलअंदाजी की तरह देखे जाते हैं। कनाडा में हुए खालिस्तान जनमत-संग्रह को लेकर भारत ने सख्त रवैया अपनाया है। कनाडा में भारत के शीर्ष राजनयिक दिनेश पटनायक ने ओटावा में हुए इस जनमत संग्रह पर आपत्ति जताते हुए कहा कि शांतिपूर्ण विरोध ठीक है, लेकिन कनाडा को यह समझना चाहिए कि उसके ऐसे कदम का भारत पर कैसा असर पड़ेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत में ऐसे कदमों को कनाडा की दखलअंदाजी की तरह

देखा जाता है। एक न्यूज चैनल से बातचीत के दौरान पटनायक ने रविवार को हुए इस जनमत-संग्रह को 'नाटक जैसा कार्यक्रम' बताया। उन्होंने कहा कि भारत को लोगों के राजनीतिक मांग उठाने पर कोई आपत्ति नहीं है। पटनायक ने उदाहरण देते हुए बताया कि भारत में खुद कुछ राजनीतिक दल खालिस्तान की मांग उठाते हैं और उनके सांसद संसद में बैठे हैं, जिनमें से एक पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या में दोषी ठहराए गए व्यक्ति का बेटा भी शामिल है। उन्होंने कहा कि कनाडा असली जनमत-संग्रह की प्रक्रिया जानता है, इसलिए उसे पता है कि यह कार्यक्रम वास्तविक नहीं है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।